राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 8 जनवरी 2024 वर्ष-6,अंक-344 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चे जैसी कोमलता, दिव्यता और तेज; ऐसी होगी रामलला की प्रतिमा; सूरज की किरणें करेंगी अभिषेक

● अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। यहां पर भगवान श्रीराम की जो प्रतिमा लगेगी, वह अपने आप में बेहद खास होगी। प्रतिमा 51 इंच ऊंची, 1.5 टन वजनी और बच्चे जैसी मासूम होगी।

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। यहां पर भगवान श्रीराम की जो प्रतिमा लगेगी, वह अपने आप में बेहद खास होगी। यह प्रतिमा 51 इंच ऊंची, 1.5 टन वजनी और बच्चे जैसी मासूमियत लिए होगी। इतना ही नहीं, हर साल रामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे सूरज की किरणें इस प्रतिमा के माथे को स्पर्श करेंगी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यह जानकारी दी। इस मूर्ति का पूजन 16 जनवरी से शुरू होगा और गर्भगृह में इसे 18 जनवरी को स्थापित कर दिया जाएगा। चंपत राय ने बताया कि इस मूर्ति पर पानी, दूध या आचमन का कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा।

गहरे रंग की विशेषता

चंपत राय ने बताया कि प्रभु श्रीराम की मूर्ति और जिस जगह इसे स्थापित किए जाएगा, उसे स्पेस साइंटिस्ट्स से राय के मुताबिक तैयार किया गया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यह जानकारी दी। इस मूर्ति का पूजन 16 जनवरी से शुरू होगा और गर्भगृह में इसे 18 जनवरी को स्थापित कर दिया जाएगा। चंपत राय ने बताया कि इस मूर्ति पर पानी, दूध या आचमन का कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा।

इसे इस तरह से बनाया गया है कि हर साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की नौवीं तारीख को राम नवमी के अवसर पर दोपहर 12 बजे सूर्य देवता खुद श्रीराम का अभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि एक ही आकार की तीन प्रतिमाएं बनाई गई थीं, जिनमें एक का चयन हुआ है। श्रीराम प्रतिमा की सौम्यता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि गहरे रंग के पत्थर से बनी मूर्ति में भगवान विष्णु की दिव्यता और एक शाही बेटे का तेज है। साथ ही साथ इसमें पांच साल के बच्चे की मासूमियत भी है।

16 जनवरी से शुरू होगा समारोह

राम ट्रस्ट के महासिच के मुताबिक मूर्ति का चयन चेहरे की कोमलता, आंखों में देखने, मुस्कान, शरीर आदि को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा कि 51 इंच ऊंची प्रतिमा पर सिर, मुकुट और आभा को भी बारीकी से तैयार किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत 16 जनवरी से होगी। वहीं, 18 जनवरी को गर्भगृह में भगवान राम को सिंहासन पर स्थापित किया जाएगा। पांच साल की आयु वाले भगवान राम की प्रतिमा मंदिर के भूतल पर रखी जाएगी और 22 जनवरी को इसका अनावरण होगा। आठ महीने बाद जब मंदिर तैयार हो जाएगा तो प्रभु श्रीराम के भाइयों, माता सीता और हनुमान की मूर्तियां पहली मंजिल पर रखा जाएगा।

दिल्ली में बढ़ी सर्दियों की छुट्टियां, अगले 5 दिन और बंद रहेंगे स्कूल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण नर्सरी से 5वीं तक के स्कूल अगले 5 दिन तक और बंद रहेंगे। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। दिल्ली में जारी सर्दी के सितम को देखते हुए सभी नर्सरी से पांचवीं तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 12 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। शिक्षा मंत्री आतिशी के अनुसार, दिल्ली के सभी स्कूल कड़ाके की सर्दी के कारण 12 जनवरी तक बंद रहेंगे। पहले शीतकालीन अवकाश शनिवार को खत्म होना था और सोमवार से स्कूल फिर से खुलने वाले थे। दिल्ली में शीत लहर चल रही है और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए घने कोहरे, हल्की बारिश और तापमान में गिरावट के कारण येलो अलर्ट जारी किया है। बता दें कि, इससे पहले शनिवार शाम को दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने राजधानी के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 10 जनवरी तक बढ़ाने का आदेश जारी किया था। हालांकि, इस आदेश को कुछ घंटे बाद ही इसमें गलती बताते हुए रात में वापस ले लिया गया था। निदेशालय ने इससे पहले दिन में कहा था कि दिल्ली में कड़ाके की सर्दी के कारण स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 10 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। बाद में, दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि इस आदेश में कुछ त्रुटि थी। अधिकारी ने कहा कि शीतकालीन अवकाश बढ़ाने का आदेश गलती से जारी किया गया था। आदेश को तत्काल वापस ले लिया गया है और इस पर कल सुबह फैसला लिया जाएगा।

यूपी के लिए भाजपा का स्पेशल प्लान

20 हजार से अधिक आबादी वाली जातियों पर फोकस

नई दिल्ली। केंद्र की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसकी कमान संभाल रखी है। भाजपा की रणनीति के मुताबिक, चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले तमाम बड़े नेता रैली करने वाले हैं। इसके साथ ही पार्टी दूसरे मोर्चे पर भी रणनीति बनाने में जुटी है। बीजेपी की योजना के अनुसार, जिलों में जाति आधारित बैठकें बढ़ाई जाएंगी।

इस दौरान छात्रों और युवाओं के बीच पीएम मोदी की वैश्विक छवि की चर्चा की जाएगी। आपको बता दें कि यह योजना यूपी बीजेपी की ओबीसी विंग ने 2024 चुनावों को ध्यान में रखते हुए तैयार की है।

उत्तर प्रदेश में में लगभग 50 प्रतिशत से अधिक ओबीसी आबादी है। विपक्ष भी जाति-जनगणना का मुद्दा उठा रहा है। इसे देखते हुए जाति आधारित बैठकें महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी हर जिले में ऐसे समुदायों की जातीय बैठकें करेगी, जिनके पास 20,000 से ज्यादा वोट हैं। इन समुदायों से संबंधित कम से कम 250 कार्यकर्ताओं या स्थानीय नेताओं के साथ-साथ 5 सामाजिक कार्यकर्ताओं की पहचान की जाएगी जो मिलकर इन जाति-सम्मेलनों का संचालन करेंगे। यूपी बीजेपी ओबीसी विंग के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यूपी के लिए ओबीसी की केंद्रीय सूची में 79 जातियां हैं। हालांकि प्रत्येक जिले में केवल 10-20 जातियां पाई जाती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक जिले में कम से कम 10 ऐसी जातियां मिलें।

जेट-एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल ने कोर्ट में हाथ जोड़े

बेहतर होगा जेल में ही मर जाऊं, जज बोले- आपको बेसहारा नहीं छोड़ेंगे-नरेश गोयल

मुंबई। केनरा बैंक के साथ धोखाधड़ी के आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल शनिवार 6 जनवरी को मुंबई के स्पेशल कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि मैं जिंदगी की आस खो चुका हूं। मेरा स्वास्थ्य बहुत बिगड़ गया है। बेहतर होगा कि जेल में मर जाऊं। ये कहने के साथ ही नरेश गोयल ने हाथ जोड़ लिए।

गोयल ने आगे कहा कि मुझे अपनी पत्नी अनीता की कमी बहुत खलती है। वह कैंसर की लास्ट स्टेज में हैं। इसके बाद जज ने कहा कि आपको बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। नरेश ने स्पेशल जज एमजी देशपांडे के सामने अपनी जमानत अर्जी दायर की थी। उन्हें अदालत में पेश किया गया और कार्यवाही के दौरान उन्होंने व्यक्तिगत सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे जज ने स्वीकार कर लिया।

गोयल पर केनरा बैंक के साथ 538 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में पिछले साल एक सितंबर को नरेश गोयल को गिरफ्तार किया था। वह अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

मैंने उनकी बात ध्यान से सुनी और जब वह अपनी बात रख रहे थे तो मैंने उन्हें ध्यान से देखा। मैंने पाया कि उनका शरीर कांप रहा था। उन्हें खड़े होने के लिए सहारे की जरूरत है।

नरेश गोयल ने जो कुछ कहा, मैंने उनकी हर बात पर गौर किया। मैंने आरोपी को आश्वस्त किया कि उन्हें बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का हरसंभव ख्याल रखा जाएगा और इलाज कराया जाएगा।

जेट एयरवेज को 848.86 करोड़ रुपए की क्रेडिट लिमिट और लोन दिया गया था, जिसमें से 538.62 करोड़ रुपए बकाया हैं। ये अकाउंट 29 जुलाई 2021 में फ्रॉड घोषित किया गया था।

CBI ने 5 मई को गोयल के मुंबई स्थित ऑफिस सहित 7 ठिकानों की तलाशी ली थी। नरेश गोयल, पत्नी अनीता और जेट एयरवेज के निदेशक रहे गौरांग शेट्टी के घर पर भी छापे पड़े थे।

CBI की FIR के आधार पर ED ने 19 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। तब श्वष्ठ ने भी गोयल और उनके साथियों के ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी ली थी।

बैंक का आरोप- पैसों की हेराफेरी की गई

केनरा बैंक ने आरोप लगाया था कि जेट एयरवेज की फोरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि जेट ने अपने से जुड़ी कंपनियों यानी रिलेटेड कंपनियों को 1,410.41 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। ऐसा कंपनी के अकाउंट से पैसा निकालने के लिए किया गया।

मोदी से मिश्र की मुलाकात

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार प्रातः यहां मुलाकात की।

श्री मोदी से श्री मिश्र ने यहां राजभवन विश्राम गृह में विशेष रूप से मुलाकात की। इस अवसर पर श्री मिश्र ने प्रधानमंत्री को शुभता के प्रतीक भगवान श्रीगणेश की छवि में उकेरी राजस्थान की प्रसिद्ध मीनाकारी कला का स्मृति चिह्न भेंट किया और शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

इस दौरान श्री मिश्र ने श्री मोदी से प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों और संवैधानिक जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी 58वें पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक सम्मेलन में भाग लेने राजस्थान यात्रा पर हैं और दो दिन से राजभवन के विश्राम गृह में ठहरे हुए हैं और सम्मेलन के आज आखिरी दिन उसमें भाग लेकर उनका दिल्ली लौट जाने का कार्यक्रम हैं।

मौसम का ट्रिपल अटैक, कोहरे और शीतलहर की मार के बीच होगी बारिश

नई दिल्ली। जनवरी के शुरुआती दिनों में उत्तर भारत के तमाम इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कोहरे, शीतलहर की मार के बीच बारिश ने कंपकपी और ज्यादा बढ़ा दी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में दोपहर के वक्त भी ठीक से धूप नहीं हो रही है। यूपी में आज भी मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। आगरा, इटावा, हमीरपुर, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा और उसके आसपास के इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा पड़ सकता है। इन जिलों में कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। राज्य के पूर्वांचल वाले हिस्सों में भी ठंड से बुरा हाल है। आजमगढ़, मऊ, बलिया, बनारस समेत कई जिलों में कोहरे का प्रकोप है और सर्यू की रोशनी कभी-कभार ही नजर आ रही है।

दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की ठंड

राजधानी दिल्ली में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। गंभीर शीतलहर के बाद शनिवार को कुछ राहत जरूर मिली। हालांकि, आज सुबह से ही शीतलहर का अहसास हो रहा है। वीकेंड पर भी ज्यादातर लोग अपने घरों में हीटर जलाकर बैठे हुए हैं। मॉर्निंग वॉक पर भी कम ही लोग बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग ने रविवार को आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान लगाया है। अगले 5-6 दिन तक अधिकतम तापमान 15 से 16 डिग्री के आसपास रह सकता है। राजधानी में 9 जनवरी को हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। शहर में शनिवार को न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। अधिकारियों के मुताबिक, कोहरे के कारण ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं और दिल्ली आने वाली 14 ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

मध्य प्रदेश में कई जगहों पर वर्षा का अनुमान-मध्य प्रदेश में वर्षा और कोहरे के बीच कई दिनों से कड़ाके की ठंड जारी है। आज भी राज्य के शहडोल और जबलपुर संभाग में आने वाले जिलों में बारिश के आसार हैं। राजधानी भोपाल समेत इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में आने वाले जिले में बीते 24 घंटों के दौरान कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई। जबलपुर, शहडोल, सागर संभागों के जिले में अनेक स्थानों पर और नर्मदापुरम व रीवा संभागों के जिलों में वर्षा दर्ज की गई। अशोक नगर, आगर, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर जिले में मध्यम से घना कोहरा देखा गया। प्रदेश की राजधानी में शनिवार को मौसम शुष्क रहा और आकाश में बादल छाए रहे। यह स्थित अगले चौबीस घंटे के दौरान रहने की संभावना है।

भोपाल गैस कांड मामले में हुई अंतिम सुनवाई, कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में साल 1984 में हुई दुनिया की भीषण औद्योगिक त्रासदी में से एक भोपाल गैस कांड मामले में अंतिम सुनवाई हुई। भोपाल की जिला न्यायालय में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट विधान महेश्वरी ने इस मामले में सुनवाई करते हुए 18 जनवरी तक फैसला सुरक्षित रख लिया है। दरअसल, साल 1884 में दो-तीन दिसंबर की रात यहां डाऊ केमिकल्स कंपनी के यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव से हजारों लोग मौत की नींद सो गए थे और लाखों लोग इससे प्रभावित हुए थे। इस गैस त्रासदी का मंजर आज भी लोग याद करते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया था, आज भी उन्हें इसे सोचकर डर लगता है। इस हादसे के 39 साल बीत जाने के बाद भी आज तक लोगों को न्याय नहीं मिल पाया है। भोपाल की जिला अदालत में शनिवार को मामले की अंतिम सुनवाई हुई। कोर्ट में इस मामले में पांच घंटे बहस चली। डाऊ केमिकल की तरफ से पक्ष रखने के लिए 15 वकील पेश हुए। इनमें सीनियर अधिवक्ता सिदार्थ लुथरा (भारत सरकार के पूर्व एएसजी) और रविंद्र श्रीवास्तव शामिल थे। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फोर्मेशन एंड एक्शन की तरफ से अवि सिंह और सीबीआई की तरफ से सियाराम मीना ने पैरवी में हिस्सा लिया। पूरी बहस इस बात पर थी कि क्या डीओडब्ल्यू केमिकल कंपनी भारत की अदालत के अधिकार क्षेत्र में आती है कि नहीं। इससे पहले पिछली सुनवाई में विशेष न्यायाधीश विधान माहेश्वरी ने डाउ केमिकल्स मामले की सुनवाई की थी। इस सुनवाई में भी डाउ केमिकल्स कंपनी की तरफ से 10 वकीलों की एक फौज कंपनी का पक्ष रखने के लिए पहुंची थी। इसके बाद न्यायधीश ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 6 जनवरी 2024 की तारीख दे दी थी। पिछली सुनवाई में भी कंपनी के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा था कि इस न्यायालय का क्षेत्राधिकार न होने पर आगामी स्तर पर तर्क करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि उनका क्लाइंट एक मल्टी नेशनल अमरीकी कंपनी है। ऐसे में भारत की अदालत उनके ऊपर किसी भी प्रकार का कोई जूरिडिक्शन नहीं रखती है। इस पर भोपाल ग्रुप फोर इन्फोरमेशन एवं एक्शन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अवी सिंह ने आपत्ति जताई थी। सिंह ने कहा था कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 2012 में क्षेत्राधिकार के मुद्दे पर फैसला किया था। इस प्रकार डाउ केमिकल को मामले में आरोपी बनाया जाना चाहिए।

39 साल में तामील हुआ था समन

कंपनी को 39 सालों में कुल सात बार समन भेजा गया है। इसमें 7वां समन तामील हुआ। इसके बाद 39 साल पहली बार कंपनी की ओर से कोई प्रतिनिधि कोर्ट में पक्ष रखने उपस्थित हुआ था। ये मामला अमरीकी संसद में भी उठ चुका है। इतना ही नहीं इस कंपनी को भारत से भगोड़ा घोषित किया गया है। भोपाल में गैस त्रासदी के दंश को झेल रहे लोगों के लिए काम करने वाली संस्था भोपाल ग्रुप का इनफॉरमेशन एंड एक्शन की सदस्य रचना ढिंगरा ने बताया कि यूनियन कार्बाइड कंपनी भोपाल में हुए सबसे बड़े कत्लेआम और भारत की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी के लिए जिम्मेदार है। डाऊ केमिकल कंपनी के लोग भोपाल कोर्ट में पेश हुए हैं। उनकी ओर से आज भी अदालत में यह बताया गया है कि वह हमारे देश में व्यापार तो कर सकते हैं, पर हमारे देश के कानून की परिधि में वह नहीं आते हैं। इसी बात को लेकर आज न्यायालय में तर्क हुए। डाउ केमिकल ने यूनियन कार्बाइड कंपनी को खरीदा है और एक भगोड़े को वह शरण देती हुई आ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्यूरोक्रेसी को मोटिवेट करता नरेन्द्र मोदी का संदेश

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ संकेत दे दिया है कि ब्यूरोक्रेसी पर विश्वास कायम होना चाहिए और डिजायर सिस्टम से दूर रहना चाहिए। होना यह भी चाहिए कि एक सीमित सीमा तक ही डिजायर सिस्टम को महत्व दिया जाए क्योंकि इसे पूरी तरह से व्यवस्था से अलग करना थोड़ा मुश्किल भरा काम रहेगा। वहीं सरकार को अपना एजेंडा व मेंडेट स्पष्ट रूप से ब्यूरोक्रेसी को सौंपते हुए उसे धरातल पर लाने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। संभवतः यही मंशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह सोच और संदेश देश की ब्यूरोक्रेसी में नए उत्साह का संचार करेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर में देशभर के डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस के दौरान तीन दिन की जयपुर यात्रा के पहले दिन राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में विधायकों-संगठन पदाधिकारियों के बीच जिस तरह से डबल इंजन की सरकार का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया, वहीं ब्यूरोक्रेसी और तबादलों को लेकर जो संदेश दिया है वह ना केवल समसामयिक है अपितु देश की ब्यूरोक्रेसी के लिए भी उत्साहवर्द्धक है। दरअसल सरकार बदलते ही पूर्व सरकार से जुड़े ब्यूरोक्रेसी में बदलाव का दौर आरंभ हो जाता है और ब्यूरोक्रेसी के अधिकारियों की निष्ठा और प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाये जाने लगते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्यूरोक्रेसी को लेकर साफ संदेश दिया है कि ब्यूरोक्रेसी कभी भी किसी पार्टी की नहीं होती। ब्यूरोक्रेसी हमेशा सरकार की मंशा और मेंडेट के अनुसार काम करती है। जो सरकार होती है और उसकी जो रीति-नीति होती है उसको धरातल पर अमलीजामा पहुंचाने की जिम्मेदारी ब्यूरोक्रेसी की होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में बड़ी बात कही कि ब्यूरोक्रेसी जिस पार्टी की सरकार होगी, उसके अनुरूप ही काम करती है। इस संदेश में सबसे बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री ने एक तरह से देश और प्रदेशों की ब्यूरोक्रेसी पर विश्वास जताने के साथ ही उत्साहवर्द्धन भी किया है।

दरअसल ब्यूरोक्रेसी सरकार की रीति-नीति और योजनाओं-कार्यक्रमों को अमलीजामा पहनाने का काम करती है। ब्यूरोक्रेसी में कुछ अधिकारी प्रोएक्टिव होते हैं तो कुछ अधिकारी अपनी गति से चलते हैं। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अपवाद स्वरूप एकाध अधिकारी हो सकते हैं जो पार्टी विशेष की धारा के अनुसार चलते हैं या चलने का प्रयास करते हैं पर सरकार की निगाह में ऐसे अधिकारी आ ही जाते हैं और सरकार स्वयं उन्हें किनारे करने में देरी नहीं करती। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ ब्यूरोक्रेट्स रिजल्ट ओरियंटेड होते हैं तो कुछ अधिकारी क्राइसिस मैनेजमेंट में एक्सपर्ट होते हैं। अब होता यह है कि प्रोएक्टिव, क्राइसिस मैनेंजमेंट में आगे रहने वाले या रिजल्ट ओरियंटेड अधिकारी निगाह में भी जल्दी आ जाते हैं और कुछ लोगों को उनका इस तरह से आगे आना या आगे रहना सुहाता नहीं है। बदलाव के समय इन्हें कुछ समय के लिए खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। इसीलिए आज के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश खास अहमियत रखता है।

वैसे भी जब सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री विश्वासनीय और रिजल्ट ओरियंटेड अधिकारी को लेकर अपनी टीम बनाते हैं। सरकार बदलने पर कुछ समय के लिए यह अधिकारी अवश्य नजरों में रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां तबादला डिजायरों से भी दूर रहने की सलाह दी है और इसके लिए भैरो सिंह जी के समय का उदाहरण भी दिया है। मुझे अच्छी तरह ध्यान है कि उस समय जब अत्यधिक दबाव पड़ने लगा तो तत्कालीन सहकारिता मंत्री सुजान सिंह यादव का साफ कहना था कि यदि अधिकारी की शिकायत है तो वे जनप्रतिनिधि की शिकायत पर उस पद से हटाने में कोई देरी नहीं करेंगे पर जहां तक उस पद पर किसी को लगाने की बात है तो उन्होंने साफ कहा कि सरकार वहां अपनी सोच और समझ के अनुसार अधिकारी लगाएगी। यानी डिजायर आप अधिकारी को हटाने की तो कर सकते हैं पर अपनी पसंद के अधिकारी को लगाने की नहीं। इस तरह के अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। दरअसल गंभीरता से देखा जाए तो यह तबादला उद्योग और डिजायर सिस्टम सरकार की बदनामी का भी बड़ा कारण बनता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ संदेश देने का प्रयास किया है। फिर ब्यूरोक्रेसी से काम लेने की कला तो सरकार में होनी ही चाहिए, यह अपेक्षा की जाती रही है।

देखा जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में ब्यूरोक्रेसी की खास भूमिका होती है। भारतीय चिंतकों से लेकर देश-दुनिया के जाने माने चिंतकों ने ब्यूरोक्रेसी के महत्व को स्वीकारने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी की भूमिका भी अपने अपने तरीके से तय की है। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में ब्यूरोक्रेसी यानी नौकरशाही के बारे में विस्तार से बताया गया है, लेकिन आज हम जिस रूप में ब्यूरोक्रेसी को देखते हैं उसको किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। प्राचीन मिस्त्र और रोम में भी नौकरशाही की मौजूदगी के प्रमाण मिलते हैं, लेकिन प्राचीन नौकरशाही प्रमुखतः राजशाही पर आधारित थी, शासक के निजी विचार व भावनाओं पर शासन चलता था। किंतु आज की ब्यूरोक्रेसी कानून-कायदों से चलने वाली व्यवस्था है। पूंजीवाद और प्रजातंत्र के विस्तार ने आधुनिक नौकरशाही को सरकार का अनिवार्य अंग बना दिया है।

1745 में फ्रांसीसी अर्थशास्त्री विन्सेट डी गोर्नी ने ब्यूरोक्रेसी शब्द का प्रयोग किया। नौकरशाही को अंग्रेजी में 'ब्यूरोक्रेसी' कहते हैं, जो लेटिन भाषा के 'ब्यूरो' जिसका अर्थ है 'मेज' और ग्रीक भाषा के 'क्रेसी' जिसका अर्थ है 'शासन' से मिलकर बना है। इस प्रकार 'ब्यूरोक्रेसी' का तात्पर्य 'मेज का शासन' से है। जॉन स्टुअर्ट मिल के अनुसार नौकरशाही का अर्थ समाज में सरकार के व्यावसायिक रूप से दक्ष प्रशासकों से है। जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर पहले ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने नौकरशाही के नकारात्मक पहलुओं के बजाय सकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा बल दिया और नौकरशाही के आदर्श मॉडल का प्रतिपादन किया। वेबर ने नौकरशाही के बारे में बताया कि नियुक्त किये गए अधिकारियों का समूह ब्यूरोक्रेट कहलाता है। साल 1920 में वेबर की किताब 'विर्टशॉफ्ट एंड गेसलशॉफ्ट' प्रकाशित हुई, जिसमें उन्होंने सत्ता के सिद्धांत के बारे में बताया है। वेबर के अनुसार सत्ता के तीन रूप हैं- ट्रेडिशनल पॉवर, मिराकूलस पॉवर एवं लीगल पॉवर। यह भी साफ हो जाना चाहिए कि शासन में ब्यूरोक्रेसी की भूमिका लगभग तय होती है, जहां चुनी हुई सरकार कानून कायदे, योजनाओं, कार्यक्रमों या यों कहें कि अपना एजेंडा प्रस्तुत करते हैं वहीं धरातल पर अमली जामा पहनाने की जिम्मेदारी व अहम भूमिका ब्यूरोक्रेसी की होती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रजातंत्र में चुनी हुई सरकार की ईच्छा शक्ति और वीजन का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ संकेत दे दिया है कि ब्यूरोक्रेसी पर विश्वास कायम होना चाहिए और डिजायर सिस्टम से दूर रहना चाहिए। होना यह भी चाहिए कि एक सीमित सीमा तक ही डिजायर सिस्टम को महत्व दिया जाए क्योंकि इसे पूरी तरह से व्यवस्था से अलग करना थोड़ा मुश्किल भरा काम रहेगा। वहीं सरकार को अपना एजेंडा व मेंडेट स्पष्ट रूप से ब्यूरोक्रेसी को सौंपते हुए उसे धरातल पर लाने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। संभवतः यही मंशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह सोच और संदेश देश की ब्यूरोक्रेसी में नए उत्साह का संचार करेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

विश्वभर में फ़ैल रहा हिन्दी का साम्राज्य

जीवन और जतन में, प्रेम और विरोध में, राग और द्वेष में, विरोध और समर्थन में, संवाद और सम्बन्ध में, व्यापार और विनिमय आदि में भी कोई तत्व यदि सहायक है तो वह केवल भाषा है। किसी भी राष्ट्र की अस्मिता और अखण्डता में कई कारक उत्तरदायी होते हैं, उनमें से एक कारक उस राष्ट्र का भाषाई ढाँचा भी है। भाषा न केवल लोगों के बीच संवाद का माध्यम होती है बल्कि समाज, संस्कृति और जनमानस के बीच समन्वय का केन्द्र होती है। यह भी निर्विवाद सत्य है कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा वाला राष्ट्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि समस्त विश्व एक परिवार है और इसी परिवार के बीच समन्वय का केन्द्र उनके बीच की भाषा है। भारत की प्रतिनिधि भाषा के रूप में सर्वमान्य भाषा हिन्दी ही है। कहीं भी भारत का भाषाई परिचय दिया जायेगा तो निश्चित तौर पर वह परिचय हिन्दी से आरम्भ होगा। भारत में जन्मी किन्तु वर्तमान में विश्व के तमाम उन राष्ट्रों में भी जहाँ भारतवंशी निवास कर रहे हैं, उन सभी देशों में हिन्दी पहुँचने लगी है। आज विश्व के 100 से अधिक देशों में हिन्दी भाषी भारतीय रहते हैं। गर्व इस बात पर भी है कि 50 से अधिक देशों के विश्वविद्यालयों में तो हिन्दी पढ़ाई भी जाती है। भारत की वैश्विक मजबूती के साथ ही जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्र है और जिस राष्ट्र की आबादी अधिक उसका बाजार भी सबसे बड़ा माना जाता है क्योंकि उत्पाद की खपत अधिक होती है, उपभोक्ता अधिक होते हैं। जिस राष्ट्र का सबसे बड़ा बाजार होता है, उसकी भाषा, संस्कृति और निर्णयों का महत्त्व भी उतना ही अधिक होता है। इस समय भारत के वर्चस्व के बढ़ने से भारत की भाषा यानी हिन्दी की स्वीकार्यता भी विश्व में अधिक हो गई है। विश्व की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिन्दी की स्थापना ने विश्व को हिन्दी के प्रति उदारभाव रखकर सीखने-समझने के लिए मजबूर भी कर दिया है। जिस तरह अमेरिका में काम-काज के लिए अंग्रेजी सीखना अनिवार्य है, फ़्रांस में कामकाज के लिए फ्रेंच आवश्यक भाषा है, चाइना में काम करने के लिए मेंडीरिन भाषा की समझ होनी जरूरी है, उसी तरह विश्व के किसी भी देश से आने वाले लोग जो भारत में व्यापार, नौकरी या कामकाज करना चाहते हैं, उन्हें हिन्दी की समझ होना अनिवार्य है। भारत में काम करना है तो हिन्दी में सबल होना जरूरी है और इसीलिए विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी सिखाई जाने लगी है। जिस तरह भारत में अंग्रेजी या अन्य भाषाओं को सीखाने के कोचिंग संस्थान खुले हुए हैं, उसी तरह विश्व के कई देशों में हिन्दी सिखाने के लिए शिक्षक, ऑनलाइन ट्यूटर, पेशेवर हिन्दी कार्यशालाओं का संचालन किया जा रहा है ताकि भारत से आर्थिक सम्बन्ध, कामकाजी सम्बन्ध या कहें सांस्कृतिक संबंधों का ताना-बाना मजबूती से बना हुआ रहे और यह सब हिन्दी के आधार पर ही बन सकता है। जैसे अठारहवीं सदी ऑस्ट्रिया और हंगरी की रही है तो उन्नीसवीं सदी ब्रिटेन और जर्मनी के प्रभुत्व को दिखाती है, वैसे ही बीसवीं सदी अमेरिका एवं सोवियत संघ के प्रभुत्व को दिखाती रही, उसी तरह वर्तमान सदी यानी 21वीं सदी भारत और चीन के प्रभाव की स्वीकार्यता का दर्शन करवा रही है। कोरोना जैसी भयावह बीमारी के वैक्सीन का निर्माण भारत ने करके विश्व के अन्य देशों को भी सहायतार्थ उपलब्ध करवाया। वर्तमान में रूस-यूक्रेन के बीच महीनों से जारी जंग के दौरान भी यूक्रेन से हजारों भारतीय छात्र सकुशल भारत आए, उस दौरान उन छात्रों ने केवल तिरंगा ही अपने हाथों में रखा, यह भी सम्पूर्ण विश्व ने देखा और भारत के वर्चस्व को स्वीकार किया। इसी तरह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखने वाला देश एकमात्र भारत ही है। वर्तमान में भारत और चीन तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से हैं तथा विश्व स्तर पर इनकी स्वीकार्यता और महत्ता स्वतः बढ़ रही है। इन दोनों देशों के पास भरपूर प्राकृतिक संपदा और भरपूर मानव संसाधन हैं जिसके कारण ये भावी वैश्विक संरचना में उत्पादन के बडे स्त्रोत बन सकते हैं।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

संघ मुख्यालय नागपुर में पहुंचे चीन के राजनेता और अधिकारी

दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में चीन के राजनायिकों का एक दल महाराष्ट्र पहुंचा था। इस दौरे में वाणिज्य दूतावास के राजनायिक भी शामिल थे। संघ मुख्यालय में जब चीन का यह दल पहुंचा।उस समय वहां पर संघ प्रमुख मोहन भागवत मौजूद नहीं थे। चीन से आए दल में शामिल राजनेताओं और अधिकारियों की मुलाकात संघ के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ हुई। इस खबर को काफी दिनों तक गुप्त रखा गया। संघ और सरकार द्वारा इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

चीन के राजनायिकों की संघ के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक की खबर जब बाहर निकाल कर आई उसके बाद संघ मुख्यालय में हुई इस बैठक का मामला तूल पकड़ रहा है।

चीन के साथ भारत के संबंध पिछले कई महीनो से बहुत तनावपूर्ण ओर अच्छे नहीं हैं। सीमा पर सेना तैनात की गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख भागवत द्वारा लगातार भारत और चीन के संबंधों को लेकर नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी भी राहुल गांधी के चीन के संबंधों को लेकर लगातार हमला करती रही है। पहली बार संघ और भाजपा के ऊपर हमला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर एक नया विवाद पैदा कर दिया है। चीन के साथ व्यापार संबंधों को लेकर संघ की हमेशा भारत सरकार से असहमति रही है। संघ लगातार सरकार पर दबाव डालता रहा है, कि चीन के साथ व्यापार को कम किया जाए। व्यापार घाटे को संतुलित किया जाए , सीमा की सुरक्षा को लेकर संघ हमेशा सरकार के ऊपर दबाव बनाता रहा है। चीन द्वारा भारत की सीमा के अंदर आकर जो कब्जा किया गया है। उसको लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रही है।ऐसी स्थिति में चीन के राज नायिकों का दल भारत में चीन के वाणिज्य दूतावास के दिल्ली और मुंबई के अधिकारियों का शामिल होना अब विवादों का विषय बन गया है। संघ मुख्यालय में चीनियों का संघ मुख्यालय में जाना और क्या बातचीत हुई है। इसको गुप्त रखे जाने से अब यह मामला तूल पकड़ने लगा है। संघ के कभी भी चीन के साथ अच्छे संबंध नहीं रहे हैं। चीन कम्युनिस्ट देश होने से हमेशा से संघ के निशाने पर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन के राष्ट्रपति के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। विदेश मंत्री के बीच चीन के साथ व्यक्तिगत संबंध है। लेकिन संघ हमेशा चीन के साथ संबंधों को लेकर अपनी नाराजी प्रदर्शित करता रहा है। चीन के

राजनायिक यदि नागपुर जाकर संघ के शीर्ष पदाधिकारी से मिल रहे हैं।इसे एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मोदी सरकार ने पीएलआई योजना में विनिर्माण के क्षेत्र में काम कर रहे चीन के तकनीशियन और उसमें काम कर रहे लोगों को वीजा नियमों में छूट दी है। भारत का कारोबार चीन के साथ कम होने के स्थान पर और भी अधिक होता जा रहा है। भारत और चीन के बीच का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। संघ लगातार इसका विरोध करता रहा है। इस विरोध के बीच में यदि चीन के वाणिज्य दूतावास के अधिकारी और चीन के राजनेता संघ मुख्यालय में जाकर संघ के नेताओं से मिल रहे हैं। इसको लेकर राजनीति में एक तूफान बनने लगा है। यह तूफान कितनी रफ्तार से आगे बढ़ेगा या आने वाले दिनों में इसकी क्या स्थिति होगी। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। चीन के जो राजनेता और अधिकारी नागपुर संघ मुख्यालय पहुंचे थे। उस मुलाकात को गुप्त रखा गया है। लगभग 1 महीने के बाद यह खबर निकलकर बाहर आई है। इसने राजनीति में एक उफान पैदा कर दिया है। इस उफान को सरकार और संघ कैसे ठंडा करेगा, इसको लेकर अब चिंता की जाने लगी है। कुछ ही महीना में लोकसभा के चुनाव हैं। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव का असर इस चुनाव में पड़ना तय है। चीन को लेकर विपक्षी दल पहले ही सरकार पर हमलावर हैं। अब यह हमला संघ का चीन के साथ संबंधों को लेकर भी हो रहा है। यह स्थिति एक नए परिवर्तन का संकेत दे रही है। कांग्रेस आरोप लगा रही है, कि चीन और संघ के बीच ऐसा कुछ पक रहा है। जो संघ और सरकार छुपाना चाह रही है। कांग्रेस इसको सार्वजनिक करने का दवाब बना रही है।

- सनत कुमार जैन,

वैश्विकी : गाजा और शिया-सुन्नी विभाजन

डॉ. दिलीप चौबे

गाजा त्रासदी को कई पहलुओं से देखा जा सकता है। एक पहलू उपनिवेशवाद और रंगभेद पर आधारित राजनीतिक सत्ता द्वारा कमजोर पक्ष पर अत्याचार करने का है। दूसरा पहलू मजहब पर आधारित सत्ताझ्रसंघर्ष से जुड़ा है। दोनों का नतीजा फिलिस्तीनी अवाम को भुगतना पड़.रहा है। इस्राइल के नेता और सैन्य अधिकारी भी हमास के प्रतिरोध से चकित हैं। उम्मीद नहीं थी कि हमास लड़ाकू विपरीत परिस्थितियों में ऐसा जुझारूपन दिखाएंगे। इस्राइल और अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों के सामने हमास का प्रतिरोध इतने दिन टिक सकेगा यह निश्चित नहीं था। गाजा में सक्रिय हमास संगठन मोटे रूप से सुन्नी धर्मावलंबियों का है। लेकिन संघर्ष के दौरान हमास को शिया गुटों से समर्थन नहीं मिल रहा है। लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हूती और ईराक में शिया सशस्त्र गुट ही इस्राइल के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। यह उम्मीद जगी थी कि गाजा की विभीषिका को देखते हुए इस्लामी दुनिया में शिया-सुन्नी विभाजन को भूलकर एकजुटता प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही अरब राष्ट्रवाद के पुनर्जीवित होने की भी आशा बंधी थीड्ड लेकिन यह आशा फलीभूत होते नजर नहीं आ रही। दुनिया में सुन्नी बहुल देशों की संख्या शिया बहुल देशों की तुलना में बहुत अधिक है, लेकिन सुन्नी देशों की ओर से हमास के समर्थन में ठोस कदम नहीं उठाए गए। ये देश हमास को सैन्य और आर्थिक सहायता देना तो दूर फिलिस्तीनी अवाम को पर्याप्त मानवीय सहायता मुहैया कराने में भी नाकाम साबित हुए।

हमास के समर्थन में सबसे अधिक बड़ब्रोलापन तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैय्यब दोंगन ने दिखाया। उन्होंने इस्राइल को आतंकवादी देश और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को युद्ध अपराधी करार दिया। इसके बावजूद तुर्की ने इस्राइल को तेल आपूर्ति जारी रखी। इस तेल से इस्राइल के टैंक चलते हैं जो गाजा को रौंद रहे हैं। इसी तरह मिस्त्र, जार्डऩ, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इस्राइल के खिलाफ बयानबाजी तो कर रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर गाजा के समर्थन में कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। कुछ समीक्षकों का तो यह भी कहना है कि इन देशों के हुक्मरान हमास की हार देखना चाहते हैं। कुछ अन्य समीक्षकों का कहना है कि इस्राइल और अमेरिका सहित पश्चिमी देश पुराने शिया-सुन्नी विभाजन को फिर हवा दे रहे हैं। कुछ दिन पूर्व ईरान के करमान शहर इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी हमले से भी यह तथ्य उजागर होता है। इस्लामिक स्टेट ने संकट की इस घड़ी में ईरान को निशाना क्यों बनाया, यह समझ से परे है। ईरान शिया बहुल देश है जो इस्राइल के खिलाफ प्रतिरोध करने वाली शक्तियों को राजनीतिक और नैतिक समर्थन दे रहा है।

हिज्बुल्लाह प्रमुख हसन नसरूल्लाह ने गाजा संघर्ष के दौरान कई बार इस्लामी जगत को संबोधित किया है। अपने नवीनतम संबोधन में उन्होंने पश्चिमी एशिया के देशों को आगाह किया है कि यदि गाजा में इस्राइल सफल होता है तो अगला निशाना लेबनान होगा। नसरूल्लाह का संबोधन किसी उग्रवादी संगठन के प्रमुख का नहीं बल्कि किसी अरब राष्ट्रवादी नेता के संबोधन जैसा लगता है। उन्होंने पहली बार हाथ-पर-हाथ धरे बैठे आठ अरब देशों के नेताओं की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी जनता को सहायता देने के बजाय ये देश इस्राइल के सैन्य अभियान में मददगार हो रहे हैं। उनका संकेत सऊदी अरबड्ड मिस्त्र और जार्डऩ जैसे देशों की ओर था जो हुती विद्राहियों द्वारा इस्राइल को निशाना बनाने वाले मिसाइलों को रोक रहे हैं। इतना ही नहीं हुती विद्रोहियों का मुकाबला करने के लिए लाल सागर में अमेरिका के नेतृत्व में बनाए गए नौसैनिक गठबंधन में कई अरब देश शामिल हैं।

गौर करने वाली बात है कि अब तक केवल एक लैटिन अमेरिकी देश बोल्विया ने इस्राइल से अपने रणनीतिक संबंध तोड़े. हैं। दक्षिण अफ्रीका ने युद्ध अपराधों को लेकर इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाल में घसीटा है। हालांकि इससे इस्राइल का कुछ नहीं होगा। जो काम बोल्विया और द. अफ्रीका ने किया है वह इस्लामी और अरब देश क्यों नहीं कर पाए, यह यक्ष प्रश्न है। नसरूल्लाह आगे क्या करेंगे इससे संघर्ष की दिशा तय होगी। हिज्बुल्लाह की सैनिक ताकत हमास से दसियों गुना अधिक है। वह इस्राइल को हरा तो नहीं सकता लेकिन उसे सबक सीखा सकता है।

दुनिया में सुन्नी बहुल देशों की संख्या शिया बहुल देशों की तुलना में बहुत अधिक है, लेकिन सुन्नी देशों की ओर से हमास के समर्थन में ठोस कदम नहीं उठाए गए। ये देश हमास को सैन्य और आर्थिक सहायता देना तो दूर फिलिस्तीनी अवाम को पर्याप्त मानवीय सहायता मुहैया कराने में भी नाकाम साबित हुए।

स्लाविया और कुशाक मॉडल की कीमतें बढाई

-नए साल ज्यादातर वाहन निर्माताओं ने बढाई कीमतें

नई दिल्ली । अधिकांश वाहन निर्माताओं ने भारत में जनवरी 2024 में कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। स्कोडा ऑटो इंडिया ने स्लाविया और कुशाक मॉडल की कीमतें बढ़ा दी हैं। स्कोडा स्लाविया, जो पहले 10.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध थी, अब 11.53 लाख रुपये से शुरू होती है और 19.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। वैरिएंट के आधार पर, स्लाविया की कीमत में 14,000 रुपये से लेकर 64,000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। स्कोडा कुशाक, पहले 10.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध थी, जिसकी कीमत में 1 लाख रुपये बढ़ा दी गई है। नई कीमत 11.89 लाख रुपये से लेकर 19.79 लाख रुपये तक जाती है। स्लाविया और कुशाक के दोनों एंट्री-लेवल वेरिएंट की कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। हालाँकि, दोनों मॉडलों के मैट और एलिगेंस एडिशन की कीमतें समान हैं। कीमत में वृध्दि के अलावा इसके फीचर्स और मकैनिकल पार्टस में कोई बदलान नहीं हुए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि स्कोडा कुशाक और स्लाविया दोनों को दो पावरट्रेन ऑप्शन के साथ पेश किया गया है- एक 1.0-लीटर और एक 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन। 1.0-लीटर इंजन 114 बीएचपी और 178 एनएम टॉर्क पैदा करता है, जबकि 1.5-लीटर इंजन 148 बीएचपी और 250 एनएम टॉर्क पैदा करता है। मालूम हो कि टोयोटा के बाद अब स्कोडा ने भी अपने मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। कीमत वृध्दि के पीछे कंपनी ने मुद्रास्फीति और बढ़ती इनपुट लागत का हवाला दिया है।

यूनिकॉमर्स ने आईपीओ के लिए सेबी में मसौदा दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स पर केंद्रित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्म यूनिकॉमर्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये कोष जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक यह निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगा, जिसमें शेयरधारकों के पास मौजूद कुल 2.98 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल होंगे। ओएफएस के तहत जापान के सॉफ्टबैंक की सहयोगी कंपनी एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स (यूके) लिमिटेड 1.61 करोड़ शेयर बेचेगी। इसके अलावा प्रवर्तक ऐसवेक्टर लिमिटेड 1.14 करोड़ शेयर बेचेगी और बी2 कैपिटल पार्टनर्स 22 लाख शेयरों की बिक्री करेगी। आईपीओ के पूरी तरह से ओएफएस आधारित होने से इससे होने वाली पूरी आय विक्रेता शेयरधारकों को जाएगी और कंपनी को कुछ नहीं मिलेगा।

आरएफएल मनी लां ड्रिंग मामले में ईडी की नौ जगहों पर रेड

नई दिल्ली । आरएफएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक साथ कई जगहों की तलाशी ली है, जिनमें रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड और आरएचसी होल्डिंग्स के दफ्तर भी शामिल हैं। ईडी ने यह कार्रवाई शुक्रवार को देर शाम की। ईडी ने यह एक्शन 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा के आरएफएल (रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड) मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की है। रिपोर्ट के अनुसार, ईडी ने एक साथ नौ जगहों की तलाशी ली। ईडी की इस कार्रवाई में कई दस्तावेज मिले और जांच एजेंसी को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सबूत भी हाथ लगे। ईडी की इस कार्रवाई के दौरान यह भी पता लगा कि मनी लॉन्ड्रिंग के पैसों का किस तरह से इस्तेमाल किया गया। वहीं दूसरी ओर रेलिगेयर का कहना है कि ईडी की यह कार्रवाई खुद कंपनी के द्वारा की गई शिकायत के बाद हुई है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड के मौजूदा प्रबंधन ने कॉरपोरेट लोन बुक की चल रही जांच के संबंध में ईडी के पास एक शिकायत दर्ज की थी, ताकि जांच की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ सके. उसके आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की। गौरतलब है कि रेलिगेयर के पूर्व प्रवर्तकों मालविंदर मोहन सिंह, शिविंदर मोहन सिंह और उनके सहयोगियों के ऊपर कंपनी के फंड का हेर-फेर करने का आरोप है। इसी संबंध में ईडी की जांच चल रही है।

यूक्रेन और रूस में इंटरनेट सेवाएं सबसे सस्ती

यएई, सऊदी अरब और अमेरिका में है सबसे महंगा

नई दिल्ली ।

भारत में इंटरनेट सेवाएं पिछले कुछ साल में सस्ती हुई हैं पर अभी भी ये सबसे कम नहीं कहीं जा सकती हैं। सबसे सस्ती इंटरनेट सेवाएं पिछले डेढ़ साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन और रूस में मिल रही हैं। वहीं सस्ती इंटरनेट सेवा के रुप में भारत तीसरे नंबर पर है। यूक्रेन में एक महीने इंटरनेट सेवाएं लेने के लिए आपको 5.86 डॉलर चुकाने पड़ते हैं जबकि रूस में इसकी कीमत छह डॉलर है। वहीं भारत में 60 एमबीपीएस या उससे अधिक स्पीड वाली इंटरनेट सर्विस के लिए आपको हर महीने आठ डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। दूसरी ओर दुनिया में सबसे महंगा इंटरनेट यूएई में है। यहां आपको एक महीने इंटरनेट की सेवाएं लेने के लिए 102.18 डॉलर चुकाने होते हैं। इसके अलावा सऊदी अरब, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे, जर्मनी और साउथ अफ्रीका में भी इंटरनेट सेवाएं काफी महंगी हैं। सऊदी अरब में इसके लिए आपको 72.63 डॉलर खर्च होंगे। वहीं अमेरिका में इसकी कीमत 74.12 डॉलर, कनाडा में 65.35 डॉलर, ऑस्ट्रेलिया में 59.42 डॉलर, नॉर्वे में 54.78 डॉलर, जर्मनी में 51.78 डॉलर, साउथ अफ्रीका में 41.14 डॉलर, यूके में 38.38 डॉलर, वेनेजुएला में 37.77 डॉलर, स्पेन में 35.14 डॉलर।

यूक्रेन, रूस और भारत के बाद सबसे सस्ता इंटरनेट रोमानिया में है। वहां एक महीने इंटरनेट सेवाओं का आनंद लेने के लिए आपको 9.17 डॉलर देने होंगे। वियतनाम में हर महीने इंटरनेट शुल्क 9.78 डॉलर, तुर्की में 9.85 डॉलर, नेपाल में 10.01 डॉलर, ईरान में 10.34 डॉलर, बेलारूस में 10.49 डॉलर और मिस्र में 10.88 डॉलर है। श्रीलंका में महीनेभर इंटरनेट सेवा के लिए आपके 12.12 डॉलर, चीन में 12.39 डॉलर, कजाकस्तान में 12.43 डॉलर, बुलगारिया मे 13.12 डॉलर और पाकिस्तान में 14.68 डॉलर देने होंगे। अर्जेंटीना में इसके लिए 18.59 डॉलर और बांग्लादेश में 18.90 डॉलर चुकाने होंगे।

चीन ने अमेरिका की पांच रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

बीजिंग ।

चीन ने ताइवान को हथियार बेचने और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के जवाब में अमेरिका की रक्षा से जुड़ी पांच कंपनियों पर रोक लगा दी है। विदेश मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी किए एक बयान में कहा कि इन प्रतिबंधों से चीन में इन कंपनियों की संपत्ति कुर्क हो जाएगी और चीन में स्थित संगठन और लोगों के उनके साथ कारोबार करने पर मनाही होगी। जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें बीएई सिस्टम्स लैंड एंड आर्मामेंट, एलियंट टेकसिस्टम्स ऑपरेशन, एयरोविरोनमेंट वियासैट एंड डेटा लिंक सॉल्यूशंस शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के कदमों ने चीन की संप्रभुत्ता और सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचाया है, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता को कमजोर किया है और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के अधिकारों व हितों का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने कहा कि चीन सरकार राष्ट्रीय संप्रभुत्ता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के कानूनी अधिकारों और हितों की रक्षा के हमारे संकल्प पर अडिग है।

जनवरी के पहले सप्ताह में एफपीआई ने बाजार में किया 4,800 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद को लेकर आशान्वित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी के पहले सप्ताह में शेयर बाजारों में लगभग 4,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार में भी 4,000 करोड़ रुपये डाले हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा है कि वर्ष 2024 में अमेरिका में ब्याज दरों में लंबे समय तक गिरावट की उम्मीद है, जिससे एफपीआई अपनी खरीदारी बढ़ा सकते हैं। विशेषकर आम चुनावों से पहले नए साल के शुरुआती महीनों में उनका निवेश बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 2024 में ऋण बाजार में भी एफपीआई का प्रवाह अच्छा रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पांच जनवरी तक भारतीय शेयरों में 4,773 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले दिसंबर में उन्होंने शेयर बाजार में 66,134 करोड़ रुपये और नवंबर में 9,000 करोड़ रुपये निवेश किया था। उन्होंने कहा कि भारत के घरेलू निवेशकों का निरंतर प्रवाह, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अच्छे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े, कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजे और बैंकों की अच्छी सेहत विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार की तरफ आकर्षित कर रही है। कुल मिलाकर बीते साल 2023 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 2.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें से 1.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश शेयरों में 68,663 करोड़ रुपये का ऋण या बांड बाजार में रहा है।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

-कच्चे तेल के दाम और रुपए-डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही पे रिणामों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम, रुपये-डॉलर का उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार `विशेषज्ञों ने कहा` कि घरेलू मोर्चे पर सभी की नजरें कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के पे रिणामों पर रहेगी। बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के तिमाही नतीजों की घोषणा गुरुवार को होगी। वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजीज और विप्रो के नतीजे शुक्रवार को आएंगे। तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन जनवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। यह शेयर बाजार को दिशा देने का एक बड़ा कारक होगा। वृहद आर्थिक मोर्चे पर दिसंबर के मुद्रास्फीति के आंकड़े और नवंबर के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आएंगे। बाजार के जानकारों के मुतो बिक बाजार घरेलू वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडार, डॉलर सूचकांक के उतार-चढ़ाव और एफआईआई तथा डीआईआई की निवेश गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने कहा `कि अमेरिकी के मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दावे के आंकड़े, चीन का महंगाई का आंकड़ा और ब्रिटेन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का आंकड़ा भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। उनका कहना है` कि बाजार आगामी सप्ताह तिमाही नतीजों के सीजन से संकेत लेगा, जिसकी शुरुआत 11 जनवरी को टीसीएस और इन्फोसिस के साथ होगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान एचसीएल टेक, विप्रो और एचडीएफसी लाइफ जैसी कुछ अन्य कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आएंगे।

लग्जरी कार ऑडी खरीदना चाहते हैं तो करें जल्दी

-कंपनी जल्द कीमतों में करने जा रही है इजाफा

नई दिल्ली ।

अगर आप लग्जरी कार ऑडी खरीदने का सपना रखते हैं तो जल्दी करें क्योंकि कंपनी जल्द कीमतों में इजाफा करने जा रही है। पिछले साल 2023 में बिक्री में वृद्धि की मुख्य वजह क्यू 3 स्पोर्टबैक, क्यू 8 ई-ट्रॉन और क्यू 8 स्पोर्टबैक ई-ट्रॉन को बाजार में पेश किया जाना, साथ ही ए 4, ए 6 तथा क्यू 5 की निरंतर मांग रही।

इसके अलावा, क्यू7, क्यू8, ए8 एल, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस5 स्पोर्टबैक, आरएस क्यू8, ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी जैसे टॉप-एंड मॉडल की मजबूत मांग बनी रही। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ''2023 हमारे लिए एक और सफल वर्ष रहा। हमारे विभिन्न खंड में मजबूत मांग बनी हुई है। हमें विश्वास है कि यह वृद्धि 2024 में भी जारी रहेगी।'' वहीं, स्वीडिश कार निर्माता वोल्वो कार्स की कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 2,423 इकाई हो गई। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, वोल्वो कार इंडिया ने 2022 कैलेंडर वर्ष में घरेलू बाजार में 1,851 कार की बिक्री की थी।

बयान के अनुसार, ऑल-इलेक्ट्रिक एक्ससी40 रिचार्ज ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। इस अवधि में इसकी 510 इकाइयां बेची गईं। वहीं एक्ससी60 की सबसे अधिक 921 इकाइयों की बिक्री हुई। वॉल्वो कार इंडिया की प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने कहा, ''2023 वृद्धि की दृष्टि से प्रभावशाली रहा। 2022 की तुलना में 31 प्रतिशत की वृद्धि उपभोक्ताओं के विश्वास को दर्शाती है।'' बता दें कि भारत में लग्जरी कारों की डिमांड में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी की 2023 में भारत में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 89 प्रतिशत बढ़कर 7,931 इकाई रही। कंपनी ने 2022 में 4,187 इकाइयों की बिक्री की थी।

ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का आईपीओ 9 जनवरी को खुलेगा

नई दिल्ली । ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का आईपीओ 9 जनवरी मंगलवार को खुल रहा है। यह साल 2024 का पहला आईपीओ है। गुजरात बेस्ड यह कंपनी आईपीओ के जरिए 1000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही है। इसमें आप 11 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने शेयरों के अलॉटमेंट के लिए 12 जनवरी की तारीख तय की है। इसके अलावा असफल निवेशकों को उनके पैसे 15 जनवरी को रिफंड कर दिए जाएंगे। वहीं सफल निवेशकों को डीमैट खाते में शेयरों 15 जनवरी को ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक शेयरों की लिस्टिंग 16 जनवरी को होगी। शेयर बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। कंपनी ने आईपीओ से पहले अपने प्रति शेयर के प्राइस बैंड का भी ऐलान कर दिया है। ज्योति आईपीओ का प्राइस बैंड 315 से 331 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। इस आईपीओ में कंपनी ने निवेशकों के लिए 45 शेयरों का एक लॉट तय किया है। ऐसे खुदरा निवेशक कम से कम एक लॉट और अधिकतम 13 लॉट खरीद सकते हैं। ऐसे शेयरों में कम से कम 14,895 रुपये और अधिकतम 1,93,635 रुपये की बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में हाई नेट इंडिविजुअल के लिए 15 फीसदी, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स सबसे ज्यादा 75 फीसदी और खुदरा निवेशकों के लिए 10 फीसदी रिजर्व कर दिया गया है.

वाईब्रेंट गुजरात ने 55 अरब डॉलर का एफडीआई लाने में मदद की: अधिकारी

नई दिल्ली ।

गुजरात में निवेश आकर्षित करने के लिए वर्ष 2003 से हर दो साल पर आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के जरिये राज्य को बीते दो दशकों में 55 अरब डॉलर का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जुटाने में मदद मिली है। गुजरात सरकार के अधिकारियों ने कहा कि निवेशक सम्मेलन के आयोजन के साथ सावधानी से बनाई गई रणनीतियों और उनके सुविचारित अमल ने वर्ष 2002 और 2022 के बीच बड़े पैमाने पर एफडीआई जुटाने में मदद की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने पिछले 20 वर्षों में 55 अरब डॉलर का एफडीआई आकर्षित किया है। इसके मुताबिक, वर्ष 2022-23 में गुजरात को 37,059 करोड़ रुपये यानी 4.9 अरब डॉलर का एफडीआई हासिल हुआ। गुजरात के वाहन क्षेत्र में सर्वाधिक 13 प्रतिशत एफडीआई हुआ है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह अनुपात सिर्फ पांच प्रतिशत है। उद्योग जगत के दिग्गजों का मानना है कि वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक सम्मेलन (वीजीजीएस) राज्य की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ विकसित हुआ है और साधारण शुरुआत के बाद से यह राज्य में विदेशी निवेश के लिए प्रवेश द्वार साबित हुआ है। इस निवेशक सम्मेलन का 10वां संस्करण गांधीनगर में 10-12 जनवरी को आयोजित होने जा रहा है जिसका विषय 'भविष्य का प्रवेश-द्वार' रखा गया है। देश की अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के एक अे धिकारी ने कहा` कि बात यह है कि निवेशक विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी होना चाहते हैं। लिहाजा अगर जगह आपके विनिर्माण को घरेलू बाजार और निर्यात बाजार दोनों में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करती है तो विनिर्माण में मदद करने के मामले में गुजरात सबसे अच्छा है। राज्य ने 2002 से 2022 तक कुल मिलाकर 55 अरब डॉलर का एफडीआई हासिल किया है। इस सम्मेलन के शुरुआती संस्करणों में कोई भागीदार देश नहीं होता था लेकिन इसके 2019 संस्करण में 15 देश भागीदार बने थे। पिछले साल एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते दो दशकों में बढ़ी भागीदार देशों और प्रदर्शकों की संख्या के बारे में बात की थी।

वनप्लस एसीई 3 स्मार्टफोन होता फास्ट चार्ज

-कंपनी का ये लेटेस्ट फ्लैगशिप स्मार्टफोन

नई दिल्ली ।

चीन में हाल ही में वनप्लस एसीई 3 को लॉन्च किया गया है। इसकी खासियत है कि यह मोबाइल बेहद फास्ट चार्ज होता है। ये कंपनी का लेटेस्ट फ्लैगशिप स्मार्टफोन है।

उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक इसे भारत समेत ग्लोबल मार्केट में उतारा जा सकता है। इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन जन 2 प्रोसेसर दिया गया है। साथ ही इसमें 100 डब्ल्यू सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी दिया गया है।

इसके अलावा फोन में स्टीरियो स्पीकर्स से लेकर ट्रिपल कैमरा सेटअप जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।वनप्लस एसीई 3 की कीमत बेस 12जीबी + 256जीबीवेरिएंट के लिए सीएनवाय 2,599 (लगभग 30,000 रुपये), 16जीबी + 512जीबी वेरिएंट के लिए सीएनवाय 2,999 (लगभग 33,000 रुपये) और 16जीबी + 1टीबी वेरिएंट के लिए सीएनवाय 3,499 (लगभग 40,000 रुपये) रखी गई है।

फोन को ब्लू और ब्लैक कलर जैसे ऑप्शन में उतारा गया है। डुअल-सिम (नैनो) सपोर्ट वाला ये स्मार्टफोन एंड्रॉयड 14 बेस्ड कलर ओएस 14.0 पर चलता है और इसमें 4,500 नीटस पीक ब्राइटनेस और 360 एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.78-इंच (1,264म2,780 पिक्सल) ओरियंटल अमोलेड एलटीपीओ डिस्प्ले दिया गया है। इस डिस्प्ले में 120 एचझेड का रिफ्रेश रेट भी दिया गया है। वनप्लस के इस लेटेस्ट स्मार्टफोन में 16 जीबी तक एलपीडीडीआर 5एक्स रैम और अड्रेनो 740जीपीयू के साथ ऑक्टा-कोर 4 एनएम स्नैपड्रेगन 8 जन 2 प्रोसेसर मौजूद है। कनेक्टिविटी के लिहाज से फोन में 5जी, 4जी एलटीई, वायफाय 7, ब्ल्यूटूथ 5.3, बैडोयू, ग्लोनास, गालियू, जीपीएस और एनएफसीका सपोर्ट मौजूद है।

फोन में डोबी एटमॉस सपोर्ट के साथ स्टीरियो स्पीकर्स भी दिए गए हैं। वनप्लस एसीई 3 की बैटरी 5,500 एमएएच की है और यहां 100डब्ल्यू सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। इससे फोन 27 मिनट में ही 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज हो जाएगा।फोटोग्राफी के लिए इसके रियर में 50एमपी प्राइमरी कैमरा, 8एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 2एमपी मैक्रो कैमरा दिया गया है।

सेल्फी और वीडियो चैटिंग के लिए इसमें 16 एमपी का कैमरा फ्रंट में मौजूद है।

नए साल लॉन्च होगी 5 धांसू बाइक

-बस थोडा करना होगा इंतजार

नई दिल्ली ।

साल 2023 में ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया और सेल्स में भी इजाफा देखने को मिला। बीते साल में कई कंपनियों की कई शानदार बाइक लॉन्च हुई थी होंडा एनएक्स500 भी इस साल लॉन्च होगी। उम्मीद है कि जुलाई 2024 में इस बाइक को कंपनी बाजार में उतार सकती है। इसका मुकाबला मोटो मोरिनी एक्स-केप, सुजुकी वी-स्ट्रॉम 650 एक्सटी और होंडा एक्सएल750 से होगा। कंपनी की इस बाइक से ईआईसीएमए 2023 में पेश किया था। इस बाइक में अपग्रेटेड लुक, टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ट्रैक्शन कंट्रोल और पावरिंग जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। इसमें 471 सीसी का ट्विन लिक्विड कूल्ड इंजन मिलेगा। हीरो मोटोकॉर्प भारत में 22 जनवरी को अपनी सबसे पॉवरफुल बाइक हीरो 440सीसी लॉन्च करने जा रही है। हीरो की यह बाइक 440सीसी इंजन से लैस होगी। कंपनी इस बाइक के लॉन्च के साथ ही भारत में बिग इंजन बाइक्स बनाने वाली कंपनियों में शामिल हो जाएगी। यह बाइक रेट्रो-रोडस्टर डिजाइन में पेश हो सकती है। यह बाइक कुछ उसी तरह होगी जिस डिजाइन में हार्ले-डेविडसन एक्स440 को लॉन्च किया गया था। (तस्वीर में दिख रही बाइक हार्ले-डेविडसन 4403 है) साल 2023 के अंत में अप्रीलिया ने भारतीय बाजार में अप्रिला आरएस457 को लॉन्च किया था। इसकी कीमत 4 लाख से ऊपर है। बाइक का नाम है अप्रिला टयूनो 457। वैसे माना जा रहा है इस बाइक की कीमत अप्रिला आरएस457 से कम ही होगी। 457 सीसी लिक्विड-कूल्ड, ट्विन-सिलेंडर इंजन से आएगी, जो आरएस 457 पर 47.6 बीएचपी और 43.5 एनएम पीक टॉर्क के लिए ट्यून किया गया है। इसे क्विकशिफ्टर, ट्रैक्शन कंट्रोल, राइड मोड और एक डिजिटल कंसोल मिलेगा। इस लिस्ट में आखिरी बाइक है केटीएम 390 एडवेंचर। ये बाइक साल के मध्य तक लॉन्च हो सकती है। नई बाइक नए कलर कॉम्बिनेशन के साथ आ सकते हैं। इस नई बाइक अनुमानित कीमत 4 लाख रुपए के आसपास हो सकती है। कंपनी ने रॉयल इनफील्ड शॉटगन 650 की झलक पिछले साल गोवा में हुए मोटोवर्स 2023 इवेंट में दिखाई थी। तब कंपनी ने कहा था कि यह बाइक शुरुआत में केवल 25 लोगों को ही दी जाएगी। आम ग्राहकों के लिए भी यह बाइक इस साल उपलब्ध हो जाएगी।

नोएडा फिल्म सिटी विकसित करने चार कंपनियों ने लगाई बोली

नई दिल्ली ।

यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित नोएडा फिल्म सिटी को विकसित करने के लिए टी-सीरीज के स्वामित्व वाली सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड सहित चार कंपनियों ने बोली लगाई है। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुण वीर सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस महात्वाकांक्षी परियोजना को इसी साल धरातल पर उतार दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि फिल्म सिटी की तकनीकी बोली की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू की गई। इसे विकसित करने के लिए चार कंपनियां आगे आई हैं। इस परियोजना में सुपर सोनिक टेकन बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड (मैडॉक फिल्म्स केप ऑफ गुड फिल्म्स एलएलपी और अन्य), मैसर्स बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी बोनी कपूर और अन्य, मैसर्स सुपर कैसेट्स इंडस्टरीज प्राइवेट लिमिटेड (टी-सीरीज) और लायंस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड केसी बोकाडिया एवं अन्य ने रुचि दिखाई है। उन्होंने बताया कि यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 21 में एक हजार एकड़ में विकसित होने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना की विकासकर्ता कंपनी की तलाश के लिए वैश्विक निविदा निकाली गई थी। फिल्म सिटी के प्रथम चरण में 230 एकड़ भूमि को विकसित किया जाना है। इसके बाद अन्य चरणों पर कार्य किया जाएगा। यहां होटल, प्लाजा एवं मॉल बनाए जाएंगे जबकि 20 प्रतिशत भूमि को हरियाली के लिए आरक्षित किया गया है।

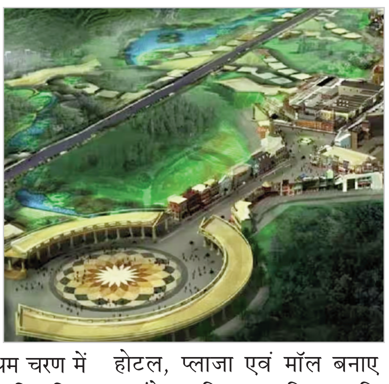

अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम घोषित

-रोहित और विराट की 13 महीने बाद टी20 टीम में वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली की 13 महीनों बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। रोहित शर्मा कप्तानी करेंगे। 2022 टी20 विश्व कप के बाद से न तो रोहित और न ही कोहली ने कोई अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच खेला है। दोनों की वापसी से इतना तय माना जा रहा है कि आगामी टी20 विश्व कप में ये खेलते नजर आएंगे। अनुभवी खिलाड़ी हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव के अलावा ऋतुराज गायकवाड़ को चोट के कारण नहीं चुना गया है।

भारतीय टीम इस प्रकार है। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह , आवेश खान, मुकेश कुमार। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज टी20 विश्व कप से पहले भारत की आखिरी द्विपक्षीय टी20 सीरीज है। चयनकर्ता चाहते होंगे कि उनकी पहली पसंद के सभी 15 खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध हों, लेकिन ऐसा नहीं हो पाएगा। हार्दिक नवंबर में वनडे विश्व कप के दौरान पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ लीग मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उसके बाद वह वापसी नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार और हार्दिक दोनों के आईपीएल से वापसी की उम्मीद है। दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में टी20 में भारत का नेतृत्व करने वाले सूर्यकुमार को जोहान्सबर्ग में तीसरे और अंतिम मैच में फील्डिंग के दौरान टखने में चोट लग गई थी। हाल ही में उनके टखने की सर्जरी हुई है और उम्मीद है कि वह कुछ महीनों में ट्रेनिंग पर लौट आएंगे।

कोको गॉफ ने लगातार दूसरी बार ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके रविवार को यहां फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को हराकर ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। गॉफ ने स्वितोलिना को 6-7 (4), 6-3, 6-3 से हराया।

पूरे सप्ताह में यह पहला अवसर था जबकि गॉफ को तीन सेट तक जूझना पड़ा। वह बिना सेट गंवाए फाइनल में पहुंची थी। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने पिछले साल यहां बिना सेट गंवाए खिताब जीता था। लेकिन इस बार फाइनल में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। यह मैच दो घंटे 23 मिनट तक चला। गॉफ 2018 और 2019 की चैंपियन जूलिया जॉर्जेस के बाद लगातार ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।

यह 1989 के बाद पहला अवसर है जब किसी अमेरिकी खिलाड़ी ने इस प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले पैटी फेंडिक ने 1988 और 1989 में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था। गॉफ ने कहा, 'यह मेरे करियर में पहला अवसर है जबकि मैंने अपने खिताब का बचाव किया। इसलिए मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि आज मैं ऐसा करने में सफल रही।'

तितास ने अपनी सफलता का श्रेरु झूलन को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई मुंबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं तितास ने अपनी सफलता का श्रेय अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को दिया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा है कि उन्हें झूलन गोस्वामी से मिली सलाह से लाभ हुआ है। तितास के अनुसार वह शुरुआत से ही झूलन की सलाह का पालन करती रही हैं। तितास ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 17 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इससे भारत ने यह मैच 9 विकेट से आसानी से जीत लिया था। यह एक दशक के बाद पहलला अवसर था जबकि किसी भारतीय की किसी गेंदबाज ने मैच में 4 या इससे अधिक विकेट लिए। इससे पहले झूलन ने साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 रन देकर 5 विकेट लिए थे। तितास ने मैच के बाद कहा, जब मेरी झूलन से पहली बार बात हुई थी तो उन्होंने कहा था कि बाकी चीजों के बारे में सोचना बंद करो और केवल तेज गेंदबाजी करने पर ध्यान दो। क्योंकि तुम तेज गेंदबाज हो और तुम्हें अधिक से अधिक तेज गति से गेंद करनी होगी। मुझे लगता है कि इसी कारण मुझे सफलता मिली है।

तितास ने कहा कि झूलन की उनकी जिंदगी में हमेशा जीवंत उपस्थिति रही है। उन्होंने कहा, झूलन मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा रही हैं क्योंकि जब मैं 13 साल की थी तब मैंने पहली बार उन्हें देखा था और इसके बाद से ही हमेशा उनका मुझ पर प्रभाव रहा है। तितास ने कहा कि वह अभी बंगाल की टीम के साथ दिल्ली में हैं और शायद मुझे इस सीरीज के बाद वहां टीम से जुड़ना है। साथ ही कहा कि उनके साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिलता है।

'मैं इससे खुश नहीं हूं', भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज में कम मैचों से नाजार एबी डिविलियर्स

डरबन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स इस बात से खफा हैं कि हाल में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच समाप्त हुई श्रृंखला में केवल दो टेस्ट मैच ही खेले गए जिसके लिए उन्होंने दुनिया भर में धड़ल्ले से चल रही टी20 लीग को जिम्मेदार ठहराया। डिविलियर्स ने बड़ी श्रृंखला की वकालत करते हुए कहा कि अगर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम का पता करना है तो 'कुछ तो बदलना होगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गयी टेस्ट श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर छूटी जिसमें मेजबान टीम ने सेंचुरियन में शुरुआती टेस्ट पारी और 32 रन से जीता जबकि मेहमान टीम ने केप टाउन में सात विकेट से दूसरा टेस्ट मैच जीता। डिविलियर्स ने कहा, 'मैं इससे खुश नहीं हूं कि श्रृंखला में तीसरा टेस्ट नहीं था। आपको इसके लिए टी20 क्रिकेट को जिम्मेदार ठहराना होगा जो दुनिया भर में खेली जा रही हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि किसे दोषी ठहराया जाए लेकिन मैं समझता हूं कि कुछ तो गलत है। अगर आप सभी टीमों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना चाहते हो और दुनिया में कौन सर्वश्रेष्ठ टीम है, यह देखना चाहते तो कुछ तो बदलाव करना होगा।' दक्षिण अफ्रीका अब फरवरी में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी जो भी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए ही होगा। लेकिन जब क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस श्रृंखला के लिए दूसरे दर्जे की टीम की घोषणा की तो सभी काफी हैरान हो गए क्योंकि इसमें 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) नील ब्रांड टीम की अगुआई करेंगे।

इस श्रृंखला की तारीखें एसए20 लीग (दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग) के दूसरे चरण के साथ पड़ रही हैं जो 10 जनवरी से 10 फरवरी के बीच खेली जाएगी जिसमें दक्षिण अफ्रीका के ज्यादातर खिलाड़ी खेल रहे हैं। डिविलियर्स को लगता है कि टेस्ट क्रिकेट दबाव में है और उन्हें स्वीकार किया कि खिलाड़ी और कोच उन्हीं टूर्नामेंट को चुनेंगे जिसमें अच्छी धनराशि मिल रही है। उन्होंने कहा, 'इससे दुनिया भर के क्रिकेट में हलचल मचा दी है और स्पष्ट कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट दबाव में है और यहां तक कि वनडे क्रिकेट भी क्योंकि पूरी प्रणाली ही टी20 क्रिकेट की ओर झुक रही है।' डिविलियर्स ने कहा, 'खिलाड़ी, बोर्ड और कोच उसी ओर झुकेंगे जहां ज्यादा धनराशि होगी। आप उन्हें दोषी नहीं ठहरा सकते क्योंकि वे अपने परिवार के साथ भविष्य के बारे में सोच रहे हैं।'

अभिषेक की कबड्डी टीम का हौंसला बढ़ते नजर आये ऐश्वर्या , आराध्या और अमिताभ

मुंबई । प्रो कबड्डी लीग का एक वीडियो आया है। इसमें ऐश्वर्या राय अपने पति अभिषेक बच्चन की टीम जयपुर पिंक पैंथर्स का समर्थन करती नजर आईं। इस वीडियो में इस दंपत्ति की बेटी आराध्या भी हैं। इस वीडियो से इन दोनो के बीच अनबन की अफवाहों पर भी विराम लग गया है। साथ ही दोनों को अलग बताने वाले ट्रोलर्स को भी करारा जवाब मिला है। इस वीडियो में अभिषेक के पिता अमिताभ बच्चन भी साथ नजर आ रहे हैं। ये सभी टीम का हौंसला बढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं और काफी अत्साहित भी दिख रहे हैं। इन सभी ने जयपुर पिंक पैंथर्स की जर्सी पहनी हुई है। कबड्डी लीग में टीम की जीत से भी इनकी खुशी और बढ़ गयी। सोशल मीडिया पर ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अभिषेक और ऐश्वर्या की शादी साल 2007 में हुई थी। इनकी एक बेटी आराध्या है।

अफरीदी को आराम देने पर टीम प्रबंधन की कड़ी आलोचना, हफीज ने 3-0 से सीरीज गंवाकर बताई वजह

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निदेशक मोहम्मद हफीज ने कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कार्यभार प्रबंधन के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में विश्राम दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में शनिवार को पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में क्लीनस्वीप किया। हफीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के बाद कहा, 'हमने शाहीन के कार्यभार को देखते हुए उन्हें विश्राम देने का फैसला किया था क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि उनके शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़े।'

अफरीदी को विश्राम देने के फैसले से पाकिस्तान क्रिकेट समुदाय हैरान था। पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम और वकार यूनिस ने इसके लिए टीम प्रबंधन की कड़ी आलोचना की थी। सिडनी टेस्ट मैच के पहले दिन अफरीदी ने मेजबान प्रसारक से कहा था कि टीम प्रबंधन और सहयोगी स्टाफ का मानना था कि उन्हें मैच से विश्राम दिया जाना चाहिए।

अश्विन ने वॉन को करारा जवाब दिया, विदेशी धरती पर टीम का रिकार्ड काफी अच्छा

नई दिल्ली । अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को करारा जवाब दिया है। वॉन ने हाल में भारतीय टीम की आलोचना करते हुए कहा था कि पर्याप्त संसाधन होने के बाद भी टीम जीत नहीं पा रही है। उनका कहना था कि भारतीय टीम के पास इतनी प्रतिभाएं हैं कि उसे आईसीसी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। वहीं अश्विन ने वॉन की इस टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि भारतीय टीम विदेशों में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल है। अश्विन ने कहा,' वान ने हाल में कहा था कि भारतीय टीम अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई है। यह सही है कि हमने बेहतर होने के बाद भी पिछले कुछ समय से आईसीसी ट्रॉफी और टेस्ट चैम्पियनशिप नहीं जीती है पर ये एक ही पहलू है।' भारतीय टीम ने पिछले कुछ साल में टेस्ट क्रिकेट में विदेशी धरती पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अश्विन ने कहा,'वर्तमान समय में हमारी टीम विदेशों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक है। हमने कई अच्छे परिणाम दिए हैं। वॉन की टिप्पणी के बाद हमारे देश के ही कई विशेषज्ञ इस पर बात करने लग गए थे कि क्या भारतीय टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर रही है पर मुझे ये बात सहीं नहीं लगी।'अश्विन ने इस मामले को लेकर दक्षिण अफ्रीका में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज का उदाहरण दिया जिसमें भारतीय टीम ने पहला टेस्ट मैच हारने के बाद दूसरे मैच में शानदार वापसी की थी। अश्विन ने कहा, 'अच्छी मानसिक दृढ़ता और मानसिक कौशल रखने वाली क्रिकेट टीम किसी भी स्थिति में वापसी कर सकती है और इस भारतीय टीम ने समय-समय पर इसे साबित भी किया है।

जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच रद्द हुए मैच में असलांका ने खेली शतकीय पारी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंकाई बल्लेबाज चरित असलांका ने यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ खराब मौसम के कारण रद्द हुए पहले एकदिवसीय में शानदार शतक लगाया। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए असालंका के शतक से 50 ओवर में नौ विकेट पर 273 रन बनाए। लंकाई टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाने में असलांका की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने 95 गेंद में 101 रन बनाये। अपनी इस पारी में असलांका ने चार छक्के और पांच चौके लगाये। जिम्बाब्वे की ओर रिचर्ड नगारवा ने 39 रन देकर 2, ब्लैसिंग मुजारबानी ने 62 रन देकर 2, फराज अकरम ने 58 रन देकर 2 तो सिकंदर रजा ने 41 रन देकर 1 विकेट लिया। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बारिश के कारण मैच रोके जाने के समय तक जिम्बाब्वे ने चार ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 12 रन बनाये। वहीं इसके बाद लगातार बारिश के कारण खेल फिर शुरु नहीं होने के कारण मैच को रद्द घोषित कर दिया गया। इस मैच में असलांका ने श्रीलंकाई पारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी की उनके अलावा कप्तान कुसल मेंडिस ने भी 46 रन बनाये। श्रीलंकाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अविष्का फर्नांडो का विकेट खो दिया। अविष्का शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद कुसल मेंडिस और सदीरा सरमविक्रमा ने पारी को आगे बढ़ाया। सरमविक्रमा 31 गेंदों पर 41 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं जैनिथ ने 34 गेंदों पर 24 रन बनाये।

कुसल के आउट होने के बाद असलांका ने श्रीलंकाई पारी को संभाला। उन्हें बल्लेबाजी के दौरान दासुन शनाका, महीष ठीकषाना और चमीरा से भी सहयोग मिला इससे श्रीलंकाई टीम 273 रन पहुंच पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने पहले 4 ओवर में ही 12 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे तभी तेज बारिश शुरु हो गयी और मैच जोकना पड़ा। इसके बाद खेल नहीं हो पाया।

हुक्का पीते धोनी की वीडियो आई, प्रशंसकों ने आपत्ति जतायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। जिसको देखकर लोग हैरान हैं क्योंकि इसमें धोनी हुक्का पीते हुए नजर आ रहे हैं। धोनी प्रशंसकों के आदर्श क्रिकेटर हैं। ऐसे में उनको वीडियो में हुक्का पीते देखकर किसी को भी भरोसा नहीं हो रहा है। इसलिए कुछ लोगों ने इसपर नाराजगी भी जतायी है। धोनी को इस वीडियो में दुबई में ऋषभ पंत और बॉलीवुड स्टार कृति सेनन के साथ नए साल का जश्न मनाने के दौरान हुक्का पीते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को लेकर प्रशंसकों ने सवाल भी उठाये हैं। धोनी का हुक्का पीते हुए वीडियो वायरल होने के बाद उनके ही सीएसके के पूर्व साथी जॉर्ज बेली का एक पुराना बयान भी आया है। जिसमें बेली ने कहा कि धोनी को हुक्का पीना पसंद है। बेली ने कहा , उसे शीशा या हुक्का पीना पसंद है। इसलिए वह अक्सर इसे अपने कमरे में स्थापित करता था और यह बहुत खुले तौर पर होता था। उन्होंने कहा इसके बीच ही खेल को लेकर बातें भी होतीं थीं और इस दौरान किसी प्रकार की कोई बाधा बीच में नहीं आती थी।

डेविड वार्नर ने अंतिम टेस्ट खेलने के बाद बताया अगला प्लान, इस क्षेत्र में बनाना चाहते हैं नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी = ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर भविष्य में कोचिंग से जुड़ना चाहते हैं और उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसी घरेलू प्रतियोगिताओं में आपस में ड्रेसिंग रूम सजा करने के कारण अगले एक दशक के अंदर क्रिकेट से छींटाकशी समाप्त हो जाएगी। इस 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने शनिवार को सिडनी में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीनस्वीप किया था। वार्नर पहले ही एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर चुके हैं लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय और विश्व भर की टी20 लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। वार्नर ने कहा, 'हां मेरी भविष्य में कोचिंग से जुड़ने की इच्छा है। पहले मुझे अपनी पत्नी से बात करनी होगी कि क्या मुझे कुछ और दिन तक घर से बाहर रहने की अनुमति है।'

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 2018 में केपटाउन में गेंद से छेड़छाड़ करने के मामले से पहले विरोधी खिलाड़ियों के प्रति आक्रामक रवैया अपनाने के लिए जाना जाता था। ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रकरण के बाद अपनी खेल संस्कृति में बदलाव किया। इस सप्ताह के शुरू में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने दावा किया था कि वार्नर के करियर के शुरुआती दौर में कोचिंग स्टाफ ने उन्हें विरोधी खिलाड़ियों पर छींटाकशी करने के निर्देश दिए थे।

वार्नर ने कहा, 'जब मैं टीम में आया तो मेरा काम विरोधी खिलाड़ियों को परेशान करना और जब वह बल्लेबाजी कर रहे हों तो उनका ध्यान भंग करना था। एक व्यक्ति के रूप में मुझे इस तरह से तैयार किया गया था।' उन्होंने कहा कि आईपीएल जैसी फ्रेंचाइजी टी20 लीग में खिलाड़ी विरोधी देशों के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करते हैं जिसके कारण छींटाकशी जल्द ही अतीत की बात बन जाएगी।

वार्नर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि भविष्य में आपको छींटकाशी या इस जैसी कोई चीज देखने को मिलेगी। यह हंसी मजाक तक सीमित रह जाएगी जैसे (पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान) मैं और शाहीन शाह अफरीदी करते थे। मुझे नहीं लगता कि आपको फिर से पहले जैसी आक्रामकता देखने को मिलेगी।'

स्पिनर अबरार पर कार्रवाई करेगी पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चिकित्सा टीम के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लेग स्पिनर अबरार अहमद पर कार्रवाई कर सकता है। अबरार तंत्रिका तंत्र की परेशानी के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच भी नहीं खेल पाए थे। उनपर टेस्ट सीरीज के दौरान चिकित्सा टीम के निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप लगे हैं। पाकिस्तान की टीम के चिकित्सक, फिजियो और ट्रेनर से परामर्श लेने के बाद पीसीबी के चिकित्सा पैनल ने पीसीब अध्यक्ष को अपनी एक रिपोर्ट सौंपी है। इसमें कहा गया है कि अबरार ने विश्व कप के समय से ही इलाज में लापरवाही बरती। पीसीबी के अनुसार बोर्ड अबरार के खिलाफ इस मामले में कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों ही टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। अबरार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में भेज दिया गया है जहां हर दिन उनके इलाज की प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी।

मेरीकोम के तीखे बोल- नई पीढ़ी के मुक्केबाजों में दिखती है जज्बे की कमी

मुंबई (एजेंसी)। 6 बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एमसी मेरीकोम का मानना है कि खिलाड़ियों की नई पीढ़ी में उनकी तरह सफलता हासिल करने का जज्बा नहीं है और वे सिर्फ एक बड़ी उपलब्धि से संतुष्ट हो जाते हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने यह भी कहा कि वह 41 साल की उम्र में भी 'सुपर फिट' हैं और उनमें 'अधिक से अधिक हासिल करने' की ललक बरकरार है। मेरीकोम आने वाले समय में पेशेवर बनने के विकल्प पर विचार कर रही है।

उन्होंने शनिवार को एक कार्यक्रम के इतर कहा- मैं लड़ूंगी (मुक्केबाजी), वह लड़ने (खेलने) की भावना केवल मेरीकोम में है। मेरे पास अन्य खेल सितारों से कुछ अनोखा है। उन्होंने कहा- मैं 41 साल की हूं, मैं इस साल से कोई भी अंतरराष्ट्रीय (एमेच्योर) प्रतियोगिता में नहीं उतर सकती क्योंकि उम्र सीमा है। मैं हालांकि अपने खेल को एक, दो या 3 साल तक जारी रखना चाहती हूं। इस दिग्गज ने कहा कि जब उन्होंने मुक्केबाजी शुरू की थी तब की तुलना में खेलों में अधिक सुविधाएं और विकल्प होने के बावजूद वर्तमान पीढ़ी में पर्याप्त जज्बा नहीं है।

6 बार की विश्व चैम्पियनशिप विजेता खिलाड़ी ने कहा- मैं सुपर फिट हूं, मैं और अधिक हासिल करना चाहता हूं, वह भूख मुझमें है। मौजूदा समय की युवा पीढ़ी एक बार चैंपियन बन कर संतुष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि अगर मेरी तरह उनमें भी वह जज्बा और वह भूख हो तो हमारे देश में और अधिक पदक आएंगे।

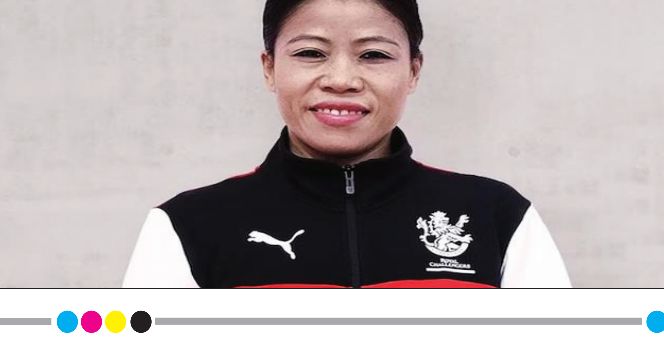

रायुडू ने वाईएसआर कांग्रेस छोड़ी

मुम्बई। बल्लेबाज अंबाती रायडू का केवल दस दिनों में ही लगता है राजनीति से मन भर गया। इसी कारण रायडू ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है। रायडू अभी दस दिन पहले ही वाईएसआर कांग्रेस में शामिल हुए थे। रायडू ने पार्टी छोड़ने और थोड़े समय के लिए राजनीति से दूर रहने के अपने फैसले की घोषणा कर दी है। इस क्रिकेटर ने अपने अचानक लिए गये इस फैसले के पीछे के कारण नहीं बताये हैं। वहीं रायडू ने कहा कि वह सही समय आने पर अपने अगले कदम के बारे में बताएंगे। इस पूर्व क्रिकेटर ने लिखा, मैंने वाईएसआरसीपी पार्टी छोड़ने और कुछ समय के लिए राजनीति से बाहर रहने का फैसला किया है। गौरतलब है कि रायुडू पिछले सप्ताह ही आंध्र प्रदेश में सत्ताधारी पारी वाईएसआरसीपी में शामिल हुए थे।

वह मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, उपमुख्यमंत्री के नारायण स्वामी और राजमपेटा लोकसभा सदस्य पी मिथुन रेड्डी की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए थे। रायडू ने आंध्र से घरेलू क्रिकेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट साथ ही आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण लोकप्रियता हासिल की थी।

किस यज्ञ से कौन सा फल प्राप्त होता है

यज्ञदानतप: कर्म न त्याज्यं कार्यमेव तत।
यज्ञो दानं तपश्चैव पावनानि मनीषिणाम।।

गीता में भगवान श्रीकृष्ण जोर देकर कहते हैं कि यज्ञ, दान और तप का कभी त्याग नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मनीषियों की आत्मशुद्धि के साधन हैं। यज्ञ से ही ब्रह्माण्ड का पालन-पोषण होता है। त्याग ही यज्ञ है। मानवता की निःस्वार्थ सेवा रूपी अग्नि में अपने अहंकार की आहुति देना एक महान यज्ञ है। आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार करना महानतम यज्ञ है। यह सभी यज्ञों का जन्मदाता है। प्रत्येक निःस्वार्थ कर्म यज्ञ है। ऐसे प्रतीक कर्म से आपका हृदय पवित्र होता है और आप आत्म-साक्षात्कार के महान लक्ष्य के निकट पहुंचते जाते हैं। दान अत्यंत आवश्यक है। केवल रुपया-पैसा देना दान नहीं है। किसी के लिए प्रार्थना करना भी दान है। किसी की सेवा करना दान है। दया और प्रेम करना दान है। किसी दूसरे के द्वारा पहुंचाई गई हानि को भूल जाना और क्षमा कर देना दान है। किसी दुखी व्यक्ति के साथ सहानुभूति भरे शब्द बोल देना दान है। हर कोई दान कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमतानुसार किसी-न-किसी रूप में दान करना चाहिए।

शरीर, मन एवं वाणी का संयम तप है। भगवान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शरीर को प्रताड़ित करना वास्तविक तपस्या नहीं है। अपनी इन्द्रियों को शम, दम और तितिक्षा के अभ्यास से नियंत्रित कीजिए। विचार और विवेक के अभ्यास से अपने मन को नियंत्रित कीजिए। मौन, मित-भाषण एवं मधुर-भाषण के अभ्यास से अपनी वाणी को नियंत्रित कीजिए। यही तप है। इन कर्मों का कभी त्याग नहीं करना चाहिए। आध्यात्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति को हमेशा दूसरों के हित के लिए कार्य करते रहना चाहिए, कभी अकर्मण्य नहीं होना चाहिए।

यह रहस्य

भगवान शिव की शक्ति के ओज मंडल तक ले जाता है

भगवान शिव जी की अर्धांगिनी पार्वती जी को ही शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री आदि नामों से जाना जाता है। आदि शक्ति मां दुर्गा का ध्यान करने वाले के जीवन में कभी शोक और दुख नहीं आता। मां का केवल एक रूप है, अनेक नहीं इस रहस्य का ज्ञात होने से जातक भगवान शिव की शक्ति के ओज मंडल में शामिल हो जाता है।

संपूर्ण संसार की उत्पत्ति के पीछे आदि शक्ति मां जगत जननी ही मूल तत्व हैं और जगत माता के रूप में उनकी उपासना की जाती है। शक्ति सृजन और नियंत्रण की पारलौकिक शक्ति है। पुराणों के मतानुसार शिव भी शक्ति के अभाव में शव या निष्क्रिय बताएं गए हैं। मनुष्य की विभिन्न प्रकार की शक्तियों को प्राप्त करने की अनंत इच्छा ने शक्ति की उपासना को व्यापक आयाम दिया है। यहां प्रस्तुत है माता के अनेकों रूपों का वर्णन। इन्होंने ने अपने योग्य पुरूषों का निर्माण किया जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश कहे जाते हैं।

माता पार्वती, उमा, महेश्वरी, दुर्गा, कालिका, शिवा, महिसासुरमर्दिनी, सती, कात्यायनी, अम्बिका, भवानी, अम्बा, गौरी, कल्याणी, विंध्यवासिनी, चामुन्डी, वाराही, भैरवी, काली, ज्वालामुखी, बगलामुखी, धूम्रेश्वरी, वैष्णोदेवी, जगधात्री, जगदम्बिके, श्री, जगन्मयी, परमेश्वरी, त्रिपुरसुन्दरी, जगात्सारा, जगादान्द्कारिणी, जगाद्विघंदासिनी, भावंता, साध्वी, दुख्दारिर्द्य्नाशिनी, चतुर्वर्ग्प्रदा, विधात्री, पुर्णेंदुवदना, निलावाणी, पार्वती,सर्वमंगला, सर्वसम्पत्प्रदा, शिवपूज्या, शिवप्रिता, सर्वविध्यामयी, कोमलांगी, विधात्री, नीलमेघवर्णा, विप्रचित्ता, मदोन्मत्ता, मातंगी, देवी खडगहस्ता, भयंकरी,पद्मा, कालरात्रि, शिवरुपिणी, स्वधा, स्वाहा, शारदेन्दुसुमनप्रभा, शरद्ज्योत्सना, मुक्त्केशी, नंदा, गायत्री, सावित्री, लक्ष्मी ,अलंकार, संयुक्ता, व्याघ्रचर्मावृत्ता, मध्या, महापरा, पवित्रा, परमा, महामाया, महोदया इत्यादी देवी भगवती के कई नाम हैं।

...इसलिए गणेश जी को आदिपूज्य भी कहते हैं

ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है, और जो भी संसार के साधन हैं, उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। गणेशजी का नाम हिन्दू शास्त्रो के अनुसार किसी भी कार्य के लिये पहले पूज्य है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है, और जो भी संसार के साधन हैं, उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। गणेशजी का नाम हिन्दू शास्त्रो के अनुसार किसी भी कार्य के लिये पहले पूज्य है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। महाभारत लेखन में गणेश जी का अपना वर्चस्व है जो कि उनकी पूजा-अर्चना से बिल्कुल भिन्न है। महाभारत में ऐसा वर्णन आता है कि वेदव्यास जी ने हिमालय की तलहटी की एक पवित्र गुफा में तपस्या में संलग्न तथा ध्यान योग में स्थित होकर महाभारत की घटनाओं का आदि से अन्त तक स्मरण कर मन ही मन में महाभारत की रचना कर ली। परन्तु इसके पश्चात उनके सामने एक गंभीर समस्या आ खड़ी हुई कि इस काव्य के ज्ञान को सामान्य जन साधारण तक कैसे पहुंचाया जाये क्योंकि इसकी जटिलता और लम्बाई के कारण यह बहुत कठिन था कि कोई इसे बिना कोई गलती किए वैसा ही लिख दे जैसा कि वे बोलते जाएं। इसलिए ब्रह्मा जी के कहने पर व्यास गणेश जी के पास पहुंचे और उन्हें महाभारत को लिखने के लिए निवेदन किया। गणेश जी मान तो गए मगर उन्होंने महर्षि वेदव्यास जी से एक प्रण लिया कि वे अपना लेखन कार्य बीच में नहीं छोड़ेंगे। जहां उन्होंने मन्त्रोच्चारण बन्द किया वहीं पर वह अपनी लेखनी को विराम दे देंगे तथा पुन॰ वह लेखनी हाथ में नहीं लेंगे। गणेश जी चाहते थे कि व्यास जी का श्लोक वाचन धारा प्रवाह होना चाहिए तथा उसमें अवरोध का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह प्रण कोई सामान्य प्रण नहीं था क्योंकि किसी भी श्लोक की रचना के लिए तो कुछ समय अवश्य लगता है। परन्तु व्यास जी तो अनेकों ग्रंथों के ज्ञाता और महान ज्ञानी थे। व्यासजी जानते थे कि यह शर्त बहुत कठनाईयां उत्पन्न कर सकती है अतः उन्होंने भी अपनी चतुरता से एक शर्त रखी कि कोई भी श्लोक लिखने से पहले गणेश जी को उसका का अर्थ समझना होगा। इस तरह व्यास जी बीच-बीच में कुछ कठिन श्लोकों को रच देते थे, तो जब गणेश उनके अर्थ पर विचार कर रहे होते उतने समय में ही व्यास जी कुछ और नये श्लोक रच देते। इस तरह ऋषि व्यास जी तथा गणेश जी ने मिलकर एक ऐसे ग्रन्थ का निंमाण किया जिसमें एक लाख श्लोक हैं। सम्पूर्ण महाभारत 3 वर्षों के अन्तराल में लिखी गयी। जो यहां (महाभारत में) है वह आपको संसार में कहीं न कहीं अवश्य मिल जायेगा, जो यहां नहीं है वो संसार में आपको अन्यत्र कहीं नहीं मिलेगा।

क्या वास्तव में हर चीज में भगवान हैं

विश्व में भगवान के अलावा किसी का भी अस्तित्व नहीं है। यदि आप भगवान शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहते हैं तो आप ऊर्जा या बुद्धि कह सकते हैं। सृष्टि का मूल सारे अस्तित्व में विद्यमान है और वह सिर्फ एक है; सिर्फ एक सूर्य, परन्तु आप उसे किसी भी खिड़की से देख सकते हैं। इस दुनिया में कई पैगंबर आए और चले गए। वे सब एक खिड़की के जैसे थे। किसी भी खिड़की से आप उसी सूर्य, आकाश को देख सकते हैं। एक आकाश जो एक दीवार के पीछे है, वह एक खिड़की के पीछे भी है। भगवान हर किसी में है। वह कुत्ते, बिल्ली, पेड़-पत्ती और चींटियों में भी है। वह सृष्टि की हर चीज में है। खिड़की से आप उससे चूक ही नहीं सकते क्योंकि खिड़की बहुत पारदर्शी होती है। सारे शब्द जिनका हम प्रयोग करते हैं और जो वार्तालाप हम करते हैं, उसका उद्देश्य हमारे दिलों में प्रेम और मौन का सृजन करना होता है। यदि शब्द लोगों के मन में अशांति लाते हैं, तो उन शब्दों ने सचमुच अपने आप को पूरा नहीं किया है और वे अपने सही पथ पर नहीं है। जब मन शिकायत कर रहा होता है तो वह इस बात से सजग नहीं होता कि वह शिकायत कर रहा है। उससे सजग होना पहला कदम है, फिर आपके पास क्या है उसके प्रति सजग होना है। आपका दिल आभार से परिपूर्ण हो जाएगा। फिर सारी शिकायत गायब हो जाएगी और आप काफी सरल, स्वाभाविक, प्रेमपूर्ण और मुक्त हो जाएंगे।

मंगलवार को इस जाप से होते हैं कार्य सिद्ध

घर में शांति और अपने कार्यों के सफल संपादन के लिए श्री हनुमान जी की साधना बेहद जरूरी है। इनकी पूजा हमेशा पूर्व दिशा की ओर बैठकर करें। ताम्र पात्र में शुद्ध जल लेकर श्री राम-हनुमान जी का ध्यान करें। पूजा कक्ष में घास या ऊन के आसन पर मंगलवार या शनिवार को इन श्लोकों का कम से कम 51 या 101 बार जाप करें।

कार्य सिद्धि के लिए

दीनानुबंधि मेधानि
प्रेमाकब्धे रामवल्लभ।
यद्येवं मारूते वीर!
मेकभीष्टं देहि सश्रवरं।।
ऊँ हनुमते नम:

गंभीर संकट निवारण के लिए

त्वमस्मिन् कार्यनिर्वाहे प्रमाणं हरि सश्रम् ।
तस्य चिन्तयतो यत्नों दु:खक्षयकरो भवेत् ।।

इनके अलावा हनुमत सहस्त्रनाम के 108 या 1008 बार जाप करने से गंभीर बीमारियां नष्ट होती हैं और घर में खुशहाली तथा सम्पन्नता आती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति की निवेश कंपनी बंद होने पर विपक्ष ने उठाए सवाल

लंदन ।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति की निवेश कंपनी बंद होने जा रही है।वहीं निवेश कंपनी के बंद होने को लेकर लेबर पार्टी ने निशाना साधा है।लेबर पार्टी इस साल के आखिर में आम चुनाव की संभावना के मद्देनजर प्रचार अभियान में जुट गई है।उसने इश्तहार देकर पीएम सुनक पर जनता के साथ नाइंसाफी करने का आरोप लगाया है।लेबर पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान के संयोजक पैट मैक फाड्डेन ने 4 जनवरी को उप प्रधानमंत्री ओलिवर डाउडेन को

लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उस पत्र में मैक फाड्डेन ने मूर्ति के कैटामरन वेंचर्स को समेटने से जुड़ी स्थितियों पर सवाल उठाया है।इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की 43 वर्षीय व्यापारी पुत्री अक्षता मूर्ति ने 2013 में इस उद्यम को शुरू किया था।उनके पति ऋषि सुनक उसके एक निदेशक बने थे।जिन्होंने 2015 में इस पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले साल वित्तीय ब्योरे में सामने आया कि मूर्ति ने इस कंपनी को बंद करने का फैसला किया है।इस मामले में मैक फाड्डेन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि पिछले कुछ महीनों में कैटामरन वेंचर्स के व्यापारिक सौदों के बारे में कई रिपोर्ट सामने आयी हैं।जिनमें यह खुलासा हुआ कि पीएम की पत्नी द्वारा संचालित इस कंपनी को स्वयं ऋषि सुनक द्वारा तैयार की गयी कोविड सहयोग योजना के तहत 20 लाख पाउंड मिला।मैक फाड्डेन ने कहा कि फिर यह सामने आया कि जिन कारोबार में श्रीमती मूर्ति ने पैसे लगाये, वह ठप हो गया और करदाताओं को 10 लाख पाउंड की चपत लगी।सहयोगियों और मैंने सरकार के मंत्रियों को कई पत्र लिखे।लंबित सवालों के साथ, अपनी कंपनी को बंद करने श्रीमती मूर्ति के फैसले से कई अन्य सवाल खड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि जनहित में स्पष्टकरण दिए जाने की जरूरत है।इस बात से इनकार करते हुए कि लेबर इस मुद्दे से राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रही है।उनकी पार्टी सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यहां सब कुछ ठीक से बताया जाए, क्योंकि यह उद्यम अब बंद हो गया है।बता दें कि पिछले साल की शुरुआत में ऋषि सुनक जांच के दायरे में आ गए थे, जब यह बात सामने आई थी कि उनकी अरबपति पत्नी के पास एक चाइल्डकेअर एजेंसी में शेयर थे, जिसे तत्कालीन बजट में घोषित एक नई नीति से लाभ हुआ था।

अल-अरूरी की मौत का बदला लेने हिज्बुल्ला ने इजरायल पर दागीं 62 मिसाइलें

गाजा ।हमास नेता अल-अरुरी की मौत के बदले हिज्बुल्ला ने इजरायल पर एक के बाद एक 62 मिसाइलें दागी हैं।बता दें कि हमास नेता की मौत पिछले हफ्ते बेरूत में हो गई थी।हिज्बुल्ला का कहना है कि इजरायल पर ये हमला हमास नेता की मौत के जवाब में पहली कर्रवाई थी।हिज्बुल्ला ने ये मिसाइल अटैक उत्तरी इजरायल पर किया है।लेबनान के चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला ने इजरायल पर एक बार फिर बड़ा हमला किया है।हिज्बुल्ला ने ये हमला हमास लीडर शेख सालेह अल-अरुरी की मौत के जवाब में किया है।दावा है कि हिज्बुल्ला ने इजरायल पर एक के बाद 62 मिसाइलें दागी हैं।हिज्बुल्ला ने ये मिसाइल अटैक करने के बाद बयान जारी कर बताया कि 62 अलग तरह-तरह की मिसाइलों से हमला किया है।ये हमला एयर कंट्रोल बेस पर किया गया है।हालांकि इजरायल ने भी इस हमले का जवाब दिया है।इजरायली सेना ने दावा किया है कि इस हमले के जवाब में उसने एक टेररिस्ट सेल को टारगेट किया गया है।हालांकि, इजरायली सेना ने इस हमले में किसी के हताहत होने नुकसान की कोई जानकारी नहीं दी है।सूत्रों की माने तो इजरायली वायुसेना मेरोन एयर कंट्रोल पर अपने लड़ाकू विमान नहीं उतार सकी, क्योंकि हिज्बुल्ला के हमलों से रनवे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। बता दें कि कुछ ही दिन पहले लेबनान की राजधानी बेरूत में हमास लीडर शेख सालेह अल-अरुरी की मौत ड्रोन अटैक में हो गई थी।उस समय अल-अरुरी हमास से जुड़े फिलिस्तीनी और लेबनानी लोगों के साथ बैठक कर रहा था।इस ड्रोन अटैक के लिए सीधे तौर पर इजरायल को जिम्मेदार माना गया था।हालांकि, इजरायल ने न तो इसकी पुष्टि की थी और न ही इसे खारिज किया था।

ताइवान को हथियार देने के बदले चीन ने अमेरिका की 5 रक्षा कंपनियों को किया बैन

बीजिंग ।ताइवान को हथियार बेचने और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के जवाब में चीन ने अमेरिका की 5 रक्षा कंपनियों पर बैन लगा दिया है।जानकारी के अनुसार विदेश मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी किए एक बयान में कहा कि इन प्रतिबंधों से चीन में इन कंपनियों की संपत्ति कुर्क हो जाएगी और चीन में स्थित संगठन और लोगों के उनके साथ कारोबार करने पर रोक रहेगी।जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें बीएई सिस्टम्स लैंड एंड आर्मामेंट, एलियंट टेकसिस्टम्स ऑपरेशन, एयरोविरोनमेंट वियासैट एंड डेटा लिंक सॉल्यूशंस शामिल हैं।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के कदमों ने चीन की संप्रभुत्ता और सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचाया है, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता को कमजोर किया है और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के अधिकारों व हितों का उल्लंघन किया है।मंत्रालय के अनुसार चीन सरकार राष्ट्रीय संप्रभुत्ता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के कानूनी अधिकारों और हितों की रक्षा के हमारे संकल्प पर अडिग है।दरअसल चीन उसके पूर्वी तट पर स्थित स्वशासित ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है।चीन ने ताइवान को हथियार बेचने और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के जवाब में अमेरिका की रक्षा से जुड़ी पांच कंपनियों पर रविवार को प्रतिबंध लगाए।विदेश मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी किए एक बयान में कहा कि इन प्रतिबंधों से चीन में इन कंपनियों की संपत्ति कुर्क हो जाएगी और चीन में स्थित संगठन और लोगों के उनके साथ कारोबार करने पर मनाही होगी।जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें बीएई सिस्टम्स लैंड एंड आर्मामेंट, एलियंट टेकसिस्टम्स ऑपरेशन, एयरोविरोनमेंट वियासैट एंड डेटा लिंक सॉल्यूशंस शामिल हैं।

विमान के उड़ान भरते ही क्रू मेंबर की अचनाक हुई मौत

लंदन ।ब्रिटिश एयरवेज के एक फ्लाइट अटेंडेंट की उड़ान भरते ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार विमान लंदन से उड़ान भरने वाला था, तभी वह मेंबर यात्रियों के सामने गिर पड़ा।एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट नए साल की पूर्वसंध्या पर लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से हांगकांग के लिए रवाना होने वाली थी।विमान का दरवाजा पहले ही बंद कर दिया गया था और यात्री अपनी सीटों पर बैठे थे, तभी चालक दल के एक सदस्य की विमान में मौत हो गई।आपातकाल स्थिती के कारण उड़ान को रद्द करना पड़ गया था।जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट में बैठे एक यात्री डॉक्टर ने उसे बचाने की भी कोशिश की।हालांकि फ्लाइट अटेंडेंट की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।लंदन एम्बुलेंस सेवा ने मेट्रो यूके को बताया कि दुर्भाग्य से, हमारे दल के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, एक मरीज को घटनास्थल पर ही मृत घोषित करना पड़ा।चालक दल के सदस्य के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई, हालांकि उन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं थी।बता दें कि हाल के हफ्तों में मरने वाली यह ब्रिटिश एयरवेज की दूसरी फ्लाइट अटेंडेंट है।52 वर्षीय एक अन्य क्रू सदस्य भी 23 दिसंबर को उड़ानों के बीच अपने होटल के कमरे में मृत पाया गया था।जिस कारण नेवार्क से लंदन जा रही उड़ान को रद्द करना पड़ा था।पिछले साल एक अन्य घटना में, ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में सवार एक 73 वर्षीय महिला की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हुई थी।यह घटना सितंबर में लंदन से नीस की उड़ान पर हुई थी।इसी तरह जून में भी एक ब्रिटिश व्यक्ति की अस्थमा के दौरे के कारण लंदन से न्यूयॉर्क की उड़ान के दौरान मृत्यु हो गई थी।

भारतीय ड्राइवर ने लॉटरी में जीते 44 करोड़ रुपये

-मुनव्वर फैरूस ने बिग टिकट लाइव में पाया 20 मिलियन यूएई दिरहम का जैकपॉट पुरस्कार

अबू धाबी (ईएमएस)संयुक्त अरब अमीरात निवारसी एक भारतीय ड्राइवर की किस्मत ऐसी चमकी की वह अचानक 44 करोड़ रुपयों का मालिक बन गया। दरअसल, 31 दिसंबर को यानी नए साल की शुरुआत में मुनव्वर फैरूस नामक भारतीय ने बिग टिकट लाइव में 20 मिलियन यूएई दिरहम का जैकपॉट पुरस्कार जीता है।कहते हैं कि अगर नए साल की शुरुआत अच्छी हो तो पूरा साल अच्छा जाता है।मुनव्वर फैरूस के जीवन का शुरुआती साल ही धमाकेधार रहा।वह अब तक यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि उन्होंने 44 करोड़ की रकम जीती है।

अमेरिका में बर्फबारी के बीच ही घोड़ागाड़ी चलाता हुआ एक व्यक्ति।

अमरीकी विदेश मंत्री ब्लिंकन के दौरे से पहले इज्राइल ने भावी युद्ध का किया खाका प्रस्तुत

तेल अवीव ।इज्राइली रक्षा मंत्री ने बृहस्पतिवार को गाजा में युद्ध के अगले चरण का ऐजेण्ड प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया है कि कैसे इजराइली सेना उत्तरी गाजा में अपनी नयी युद्ध नीति के तहत आवश्यकतानुसार हमास से जंग जारी रखेगी।अमेरिकी विदेश मंत्री के दौरे से पहले याओव गैलेंट ने एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें हमास को हराने के बाद गाजा को कैसे चलाया जाएगा इस बात का जिक्र है।प्रस्ताव में कई अहम चीजें शामिल हैं जैसे क्षेत्र में इजरायल सुरक्षा नियंत्रण रखेगा या नहीं जो फिलहाल अपरिभाषित है, प्रशासनिक गतिविधियों के लिए इजराइल के दिशा-निर्देशों वाली फलस्तीनी इकाई होगी जो अमेरिका तथा अन्य देश गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेंगे ।युद्ध की समाप्ति के बाद गाजा के भविष्य को लेकर इजराइल पर भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव बना हुआ है हालांकि अभी तक इजराइल ने इस बारे में कोई दृष्टिकोण जाहिर नहीं किया है।इस सप्ताह के अंत में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजराइल और क्षेत्र के अन्य देशों के साथ वार्ता करेंगे, जिसमें यह मुद्दा उनके एजेंडे में रहने की संभावना है।करीब तीन महीने से जारी बमबारी और जमीनी हमलों के बाद अमेरिका ने इजराइल पर गाजा में हमलों की तीव्रता कम करने और सिर्फ और सिर्फ हमास को निशाना बनाने के लिए दबाव डाला है।लेकिन गैलेंट द्वारा तैयार खाके के कई प्रावधानों की अस्पष्टता के कारण यह आकलन करना मुश्किल हो गया है कि वे अमेरिका की बातों से कितना इत्तेफाक रखते हैं।गैलेंट ने युद्ध के तीसरे चरण के लिए दृष्टिकोण नाम का एक दस्तावेज जारी किया है।

भारत और चीन के लिए क्यों जरूरी है शेख हसीना की सरकार?

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आज मतदान हो रहा है और आम चुनाव में शेख हसीना की जीत लगभग तय मानी जा रही है। शेख हसीना के विरोधी नेताओं ने चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनमें इतनी ज्यादा नाराजगी है कि मतदान के शुरु में ही हिंसा होने लगी। देश के करीब 10 जिलों में आगजनी, तोड़फोड़ और कई मतदान केंद्रो में आग लगा दी। वे हसीना सरकार को अवैध और गैर कानूनी मानते हैं। तमाम आरोपों के बीच भारत और चीन की मंशा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना की ही सरकार बनना चाहिए। इसमें उनके अपने फायदे हैं।

एक तरफ अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने हसीना सरकार की ओर से कथित तौर पर हजारों प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं और समर्थकों को गिरफ्तार करने की रिपोर्टों पर बार-बार चिंता जताई है। पश्चिमी देशों ने बार-बार हसीना सरकार की लोकतांत्रिक साख पर सवाल उठाए हैं और अधिकार समूहों ने बांग्लादेश सरकार पर विपक्ष को पंगु बनाने का आरोप लगाते हुए निंदा की है तो वहीं भारत और चीन शेख हसीना सरकार के प्रति नरम रुख अपनाया है।भारत ने पिछले दो महीनों में इस बात को दोहराया है कि बांग्लादेश में होने वाला आम चुनाव उसका अपना मामला है। विदेश मंत्रालय के बयान को देखते हुए ऐसा माना जाता कि भारत पीएम शेख हसीना की सरकार के साथ खड़ा रहेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा था, चुनाव बांग्लादेश का घरेलू मामला है और हमारा मानना है कि बांग्लादेश के लोगों को अपना भविष्य खुद तय करना है।

बांग्लादेश के साथ भारत के अपने हित हैं। करीब 170 मिलियन (17 करोड़) लोगों के मुस्लिम-बहुल देश को भारत लगभग तीनों तरफ से घेरता है। भारत के लिए बांग्लादेश केवल एक पड़ोसी ही नही, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार और करीब सहयोगी है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों की सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है।भारतीय नीति निर्माताओं का मानना है कि दिल्ली को ढाका में एक मैत्रीपूर्ण शासन जरूरत है और 2009 में दोबारा सत्ता में आने के बाद से शेख हसीना ने भारत के साथ घनिष्ठ राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए हैं। यह मजबूत आर्थिक सहयोग अगरतला-अखौरा रेल लिंक और भारत-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन जैसी साझा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से साफ है, जिसने न केवल व्यापार को बढ़ावा दिया है बल्कि दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में भी सुधार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 में भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया था। दशकों तक चीन के रक्षा आयात पर प्रभुत्व बनाए रखने के बाद, सहयोग अब भारत से हथियार खरीदने वाले बांग्लादेश तक भी फैल गया है।

चीन बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का समर्थन करता है. 2016 में बांग्लादेश चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल हुआ था। बांग्लादेश को दो पनडुब्बियां बेचने के अलावा चीन कुतुबदिया में इनके लिए 1 बिलियन डॉलर का बेस बना रहा है। चीन ने कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भी निवेश किया है। उसने अपने हथियारों की बिक्री जारी रखी है और बांग्लादेश में परियोजनाओं में 38 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। बांग्लादेश में चीन की ऐसी मौजूदगी भारत या अमेरिका के लिए अनुकूल नहीं है, लेकिन नई दिल्ली के लिए राहत की बात यह है कि शेख हसीना की सरकार इस क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों के प्रति सचेत रही है।बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए रविवार को मतदान होगा, जिसमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अनुपस्थिति के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना के लगातार चौथी बार जीत दर्ज करने की उम्मीद है। विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है और ''अवैध सरकार के खिलाफ 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने देश भर के 300 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान की तैयारी लगभग पूरी कर ली है और सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की है।

भारत को लेकर शेख हसीना ने कही बड़ी बात, पूरी दुनिया निकाल रही मायने

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत को लेकर बडा बयान दिया है। उन्होंने अपने ही देश के विपक्षी नेताओं को न केवल नसीहत दी है बल्कि बांग्लादेश कैसे आगे बढ़ेगा इसको लेकर हाईलाइटर दिए हैं। बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग के अनुसार, 42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर रविवार को होने वाले मतदान में कुल 11.96 करोड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं और उनके अलावा 436 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। भारत के तीन पर्यवेक्षकों समेत 100 से अधिक विदेशी पर्यवेक्षक 12वें आम चुनाव की निगरानी रखेंगे। यह चुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच कराया जा रहा है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि नतीजे आठ जनवरी की सुबह से आने की उम्मीद है। सुबह आठ बजे वोटिंग करने करने आई प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास भारत जैसा भरोसेमंद दोस्त है। मुक्ति संग्राम के दारौन उन्होंने हमारा समर्थन किया। 1975 के बाद जब हमने अपना परिवार खो दिया तो भारत ने हमें आश्रय दिया। भारत के लोगों को हमारी शुभकामनाएं। हसीना के इस बयान से दूसरे पड़ोसी देश अपने स्तर पर मायने निकाल रहे हैं।

प्रधानमंत्री हसीना की सत्तारूढ़ आवामी लीग के लगातार चौथी बार जीतने की उम्मीद है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया (78) की पार्टी बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है। खालिदा भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद घर में नजरबंद हैं। बीएनपी ने शनिवार से 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। जो 27 राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे हैं उनमें विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। बाकी सत्तारूढ़ अवामी लीग की अगुवाई वाले गठबंधन के सदस्य हैं जिसे विशेषज्ञों ने ''चुनावी गुट'' का घटक सदस्य बताया है।

उत्तर कोरिया ने रूस को दीं बैलिस्टिक मिसाइलें : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने हाल ही में रूस को कई बैलिस्टिक मिसाइलें और लॉन्चर मुहैया कराए हैं, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ हवाई हमलों में किया गया। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि अमेरिका के पास रूस को तीसरे देशों से मिल रहे सहयोग की नई जानकारी है। किर्बी ने कहा,हमारे प्रतिबंधों और निर्यात नियंत्रणों के कारण, रूस विश्व मंच पर तेजी से अलग-थलग हो गया है और उन्हें सैन्य उपकरणों के लिए समान विचारधारा वाले राज्यों की ओर देखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जैसा कि हम सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे रहे हैं, उन राज्यों में से एक उत्तर कोरिया है। प्रवक्ता ने कहा कि 30 दिसंबर, 2023 को रूसी सेना ने यूक्रेन में उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों में से कम से कम एक से हमला किया। उन्होंने दावा किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि मिसाइल ज़ापोरीज़्यि क्षेत्र में एक खुले मैदान में गिरी है। किर्बी ने कहा कि 2 जनवरी को रूस ने यूक्रेन में कई उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इसमें रात भर का हवाई हमला भी शामिल था। प्रवक्ता ने कहा हम अभी भी इन अतिरिक्त मिसाइलों के प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलें लगभग 900 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका को आशंका है कि रूस यूक्रेन के नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने और निर्दोष यूक्रेनी नागरिकों को मारने के लिए अतिरिक्त उत्तर कोरियाई मिसाइलों का उपयोग करेगा। किर्बी ने कहा कि उत्तर कोरिया संभवतः अपने समर्थन के बदले में रूस से सैन्य सहायता मांग रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं तो मुश्किल में पड़ जाएगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मामलों में फंसे है। अमेरिका की अदालतों में मामले चल रहे हैं। ऐसे में उन्हे चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यदि उन्हे चुनाव नहीं लड़ने दिया तो क्या होगा। इस सवाल के जवाब में खुद ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका मुश्किल में पड़ जाएगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे बस यही उम्मीद है कि हमें उचित न्याय मिलेगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो हमारा देश और मुसीबत में आ जाएगा। यहां हर कोई समझ रहा है कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इस दौरान ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधा। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव लड़पाएंगे या नहीं, सुप्रीम कोर्ट 8 फरवरी को यह तय करेगा। कोर्ट इस दिन कोलोराडो कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट 8 फरवरी को कोलोराडो कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप को अयोग्य ठहराया गया था। इससे पहले ट्रंप ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट मेरे पक्ष में फैसला नहीं देता है तो देश में बड़ी मुसीबत आ जाएगी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने आयोवा की रैली में ये बातें कहीं। यूएस सुप्रीम कोर्ट ट्रंप की अपील पर सुनवाई करने को राजी हो गया है, जिसमें उन्होंने कोलोराडो कोर्ट के फैसले को पलटने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह 8 फरवरी को कोलोराडो कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें उन्हें अयोग्य ठहराया गया था। ट्रंप ने हाल ही में कोलोराडो कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की दायर की थी। बता दें कि यह पूरा मामला 6 जनवरी 2021 का है, जब ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। नतीजे आने के बाद उन्होंने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। भारी संख्या में ट्रंप के समर्थन अमेरिकी संसद में घुस गए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने हिंसा भी की थी. इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी।

ब्रिटेन की तीन दिवसीय दौरे पर राजनाथ सिंह, 22 साल में किसी रक्षा मंत्री की पहली यात्रा

लंदन (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार से ब्रिटेन की तीन दिवसीय यात्रा पर होंगे। उनकी इस यात्रा को रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी। जून 2022 में राजनाथ सिंह की ब्रिटेन की पूर्व नियोजित यात्रा को भारतीय पक्ष ने प्रोटोकॉल कारणों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया था। इसलिए सोमवार से शुरू होने वाली इस यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है।

इस दौरान राजनाथ ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स के साथ विभिन्न मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करेंगे तथा लंदन में स्थित महात्मा गांधी और डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्मारक भी जाएंगे। रक्षा मंत्री सिंह के ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। लंदन स्थित विचार समूह 'इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज' (आईआईएसएस) में दक्षिण और मध्य एशियाई देशों के रक्षा, रणनीति और कूटनीतिक मामलों के वरिष्ठ फेलो राहुल रॉय चौधरी ने कहा, ''राजनाथ सिंह की यह यात्रा रणनीतिक और सामरिक दोनों ही दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बीते 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी। पिछली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने 22 जनवरी 2002 को ब्रिटेन की यात्रा की थी।''

रॉय-चौधरी के अनुसार, राजनाथ सिंह की प्रस्तावित यात्रा ब्रिटेन के साथ भारत के राजनीतिक संबंधों में सुधार का संकेत देती है। इसके अलावा पिछले साल सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में विकसित होती आपसी विश्वास की भावना का भी पता चलता है। उन्होंने कहा, ''वास्तविक रूप से राजनाथ की यह यात्रा ब्रिटेन के साथ सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में सार्थक प्रयास करेगी।'' नवंबर 2023 में दोनों देशों के बीच सचिव स्तर पर दिल्ली में रक्षा सलाहकार समूह (डीसीजी) की बैठक हुई थी।

इसके अलावा अक्टूबर 2023 में संयुक्त सचिवों के स्तर पर भारत और ब्रिटेन के बीच 2+2 विदेश और रक्षा वार्ता की पहलीबैठक हुई थी। रॉय-चौधरी ने कहा, ''ब्रिटेन अब भारत के शीर्ष पांच रणनीतिक साझेदारों में से एक नहीं है। हालांकि, रोल्स-रॉयस के साथ एयरो-इंजन पर चल रही परियोजनाओं की आपूर्ति के माध्यम से एक मजबूत भारत-ब्रिटेन रक्षा तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी की शुरुआत हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रमुख हथियार निर्माण स्थलों में से एक का दौरा करने की भी संभावना है।''

भारतीय रक्षा मंत्री की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक हिंसा को लेकर भारत ने चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा भारत को ब्रिटेन की रक्षा आपूर्ति पर कुछ विवादास्पद

ऐतिहासिक मुद्दों पर भी बातचीत होने की उम्मीद है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि मंत्री स्तर पर बातचीत के इस अवसर के साथ, रक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत एजेंडे के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

जम्मू में सीजन की सबसे ठंडी रात, तापमान पहुंचा माइनस में

श्रीनगर। श्रीनगर और जम्मू दोनों शहरों में शनिवार-रविवार को इस सीजन की अब तक की सबसे ठंडी रात देखी गई। इस दौरान यहां का न्यूनतम तापमान क्रमशः शून्य से 5.6 और 3.4 डिग्री नीचे गिर गया। पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं के साथ तीव्र शुष्क शीत लहर ने कश्मीर में लोगों की तकलीफें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के जानकारी दी है कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.6, गुलमर्ग में माइनस 4.4 और पहलगाम में माइनस 6.5 रहा। लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 15.3 और कारगिल में माइनस 14.3 रहा। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 3.4, कटरा में 6, बटोटे में 2.1, भद्रवाह में माइनस 0.2 और बनिहाल में माइनस 2.2 रहा। यहां पर कड़ाके की ठंड की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां के नाम से जाना जाता है, 21 दिसंबर को शुरू हुई और 30 जनवरी को समाप्त होगी। गर्मियों के महीनों के दौरान पीने और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की स्थानीय लोगों की उम्मीदें चिल्लई कलां के शेष हिस्से पर बची हुई हैं। यदि चिल्लई कलां के शेष भाग के दौरान पर्याप्त बर्फबारी होती है, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा, अन्यथा आने वाली गर्मियों में स्थानीय लोगों के लिए पीने के पानी की मुश्किलें आएंगी।

मोस्ट वॉन्टेड को छुड़ा ले गई भीड़, हाथ जोड़ती रही बिहार की पुलिस

जहानाबाद। जहानाबाद शहर के फिदा हुसैन रोड पर शनिवार की शाम भीड़ ने मोस्ट वांटेड को पुलिस से छुड़ा लिया। इस दौरान उलटे पुलिस हाथ जोड़ती रह गई। यहां उस वक्त हंगामे के साथ अफरातफरी मच गई, जब गया पुलिसकर्मियों की एक टीम कांड के एक वांछित मोस्ट वांडेट अपराधी को गिरफ्तार करने जहानाबाद आई थी। गया डीआईयू की टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया लेकिन अचानक कुछ लोगों की भीड़ उग्र हो गई और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई और धक्का मुक्की कर वांछित को छुड़ा ले गई। सूचना पर पहुंची नगर थाना की पुलिस ने बाद में भीड़ में शामिल रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि गया का मोस्ट वांटेड अपराधी श्याम करीम को पुलिस पकड़ने आयी थी। उसके खिलाफ डकैती व लूट सहित अन्य मामले दर्ज हैं। वह पिछले एक वर्षों से फरार चल रहा था। नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर निखिल कुमार ने बताया कि इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गया सिविल लाइन थाना के नगमतिया रोड के निवासी श्याम करीम नामक आपराधिक मामले के आरोपित वांछित व 50 हजार का इनामी अपराधी को गया डीआईयू की टीम तलाश कर रही थी। टावर लोकेशन के आधार पर वह जहानाबाद शहर के फिदा हुसैन रोड में मिला। वह यहां अपने एक संबंधी के आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। इस दौरान सादा लिवास में आयी गया पुलिस कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गयी वहीं स्थानीय थाने की पुलिस पीछे रह गयी है। हालांकि हमला होने के बाद नगर थाने की पुलिस ने लोगों को नियंत्रित किया लेकिन तब तक अपराधी मौके का फायदा उठाकर भाग गया। उसके कुछ निजी और अन्य लोग उग्र हो गए और पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। पुलिस के हथियारों को भी झिड़क दिया। हाथापाई हुई और इस बीच वांछित को लोगों ने छुड़ा लिया। आरोपित भाग निकला। जब इसकी सूचना मिली तो वह घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की तहकीकात में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

अवैध रूप से रह रहे 3 बांग्लादेशी नागरिकों को पालघर से किया गिरफ्तार

पालघर। अवैध रूप से रहने के आरोप में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को महाराष्ट्र के पालघर से वसई थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार इन तीनों के खिलाफ पासपोर्ट नियमों और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। रविवार को पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में रहने वाले तीन बांग्लादेशी की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस टीम ने 4 जनवरी को वसई इलाके में तलाशी ली थी। इसी दौरान तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों विदेशी नागरिकों की उम्र 23 से 45 साल की बताई जा रही है। वसई पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि तीन बांग्लादेशी नागरिकों से पूछताछ के दौरान पता चला कि उनके पास भारत में रहने के लिए वैध दस्तावेज नहीं थे। उनके खिलाफ पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियमों और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

एक दिन में कोविड-19 के 774 नये मामले आए, 2 की हुई मौत

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 774 नए मामले सामने आए हैं। वहीं दो मरीजों की मौत हुई है। ये मौतें तमिलनाडु और गुजारत में हुई हैं। वहीं शुक्रवार को 12 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें केरल में पांच, कर्नाटक में चार, महाराष्ट्र में दो और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। देश में नये मामले सामने आने के बाद कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4,187 हो गई है। देश में जनवरी 2020 से अब तक कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 4,50,17,378 तक पहुंच गई है। जबकि, नई मौतों के बाद देश में कोरोना से मरने वालों लोगों का आंकड़ा 5,33,387 हो गया है। बताया जा रहा है ?कि नया जेएन.1 सब-वैरिएंट ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट का वंशज है जिसे बीए.2.86 या पिरोला के नाम से जाना जाता है। इसका केरल राज्य में पहला मामला आया है। भारतीय एसएआरएस-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) के अनुसार, केरल, कर्नाटक में जेएन.1 प्रकार के मामले देखे गए। जबकि, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान, तेलंगाना, ओडिशा और हरियाणा भी प्रभावित हुए। जानकार बताते हैं कि जेएन.1 वैरिएंट, नए मामलों या अस्पताल में भर्ती होने और मौतों में वृद्धि का कारण नहीं बन रहा है। इन राज्यों ने सामूहिक रूप से गुरुवार तक सब-वैरिएंट के 619 मामले दर्ज किए हैं, जिसमें कर्नाटक 199 मामलों के साथ आगे है। जबकि केरल 148 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। आईएनएसएसीओजी के आंकड़ों से पता चला है कि दिसंबर 2023 में 239 और नवंबर 2023 में 24 कोविड-19 मामलों की पहचान जेएन.1 वैरिएंट की उपस्थिति से की गई थी। देश में कोरोना वायरस से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 4.4 करोड़ से ज्यादा पहुंच गई है, जो 98.81 प्रतिशत की राष्ट्रीय रिकवरी दर के बराबर है।

600 मिलियन डॉलर के मालिक आंखों में आंसू लिए जज के सामने कांपते रहे

-जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल हुए नाउम्मीद, जेल में मरने की मांगी इजाजत

मुंबई। 538 करोड़ रुपये के केनरा बैंक धोखाधड़ी केस में आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने अदालत से अनुरोध किया- कि उन्हें जेजे अस्पताल न भेजा जाए, इसके बजाय जेल में ही मरने दिया जाए। गोयल ने कहा कि उन्होंने जीवन की हर उम्मीद खो दी है और ऐसी स्थिति में जीवित रहने से बेहतर है कि उन्हें मर जाना चाहिए। बता दें कि 2023 की रेटिंग में गोयल 600 मिलियन डॉलर के मालिक बताए जाते हैं, लेकिन जज के सामने आंसू लिए जीवन और मौत के बीच उम्मीद की किरण तलाशते नजर आए। जानकारी के अनुसार जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल शनिवार को मुंबई की एक विशेष अदालत में पेशी के दौरान भावुक हो गए। गोयल ने हाथ जोड़कर अदालत से कहा कि उन्होंने जीवन की हर उम्मीद खो दी है और वह अपनी वर्तमान स्थिति में जीने की अपेक्षा जेल में मरना पसंद करेंगे। बता दें कि नरेश गोयल 538 करोड़ रुपये के केनरा बैंक धोखाधड़ी केस में आरोपी हैं। कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, सत्तर वर्षीय नरेश गोयल की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि वह अपनी पत्नी अनीता को बहुत मिस करते हैं, जो कैंसर के एडवांस स्टेज में हैं। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में पिछले साल 1 सितंबर को गोयल को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। गोयल ने विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी। उन्हें शनिवार को अदालत में पेश किया गया और कार्यवाही के दौरान गोयल ने कुछ मिनटों की व्यक्तिगत सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे न्यायाधीश ने अनुमति दे दी। अदालत के रोजनामा (दैनिक सुनवाई का रिकॉर्ड) के अनुसार, नरेश गोयल ने हाथ जोड़कर कहा कि उनका स्वास्थ्य बहुत खराब है। इस दौरान वह लगातार कांप रहे थे।

भारत, अमेरिका, रूस और चीन जैसे सुपर पॉवर देशों की नजर बांग्लादेश के चुनाव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में आज आम चुनाव होने जा रहे हैं। इसमें शेख हसीना ने रिकॉर्ड चौथी बार सत्ता में आने का दमखम लगा दिया है। वहीं भारत, अमेरिका, रूस और चीन जैसे सुपर पॉवर देशो की नजर बांग्लादेश के चुनाव पर टिकी हुई हैं। जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बांग्लादेश मे चुनाव के बायकॉट का बिगुल बजा रखा है। इस बीच हिंसा से जूझ रहे बांग्लादेश के इन चुनावों पर दुनियाभर की नजरें टिकी हैं। भारत और चीन ही नहीं बल्कि रूस से लेकर अमेरिका तक की दिलचस्पी बांग्लादेश के चुनाव में बनी हुई है। लेकिन बांग्लादेश के चुनाव में इन सुपरपावर देशों की इतनी दिलचस्पी की वजह तथा इन देशों के हितों को समझने की जरूरत है। युद्ध की जमीन से 1971 में जन्मे बांग्लादेश का 52 सालों का इतिहास है। संघर्षों की दहलीज पार कर इस मुल्क की अर्थव्यवस्था 400 अरब डॉलर को पार कर गई है। बांग्लादेश आज आर्थिक और भू-राजनीतिक रूप से ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां दुनिया के कई कद्दावर देश उसकी तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। जब भारत अपने पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश की तरफ देखता है, तो इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि 1996 से 2001 तक और फिर 2009 से लगातार भारत को बांग्लादेश की सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग मिला है।

बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने अपने देश में भारत विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रयास किए हैं। बांग्लादेश चुनाव के नतीजों का यकीनन भारत के साथ उसके संबंधों पर असर पड़ने वाला है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई में 14 पार्टियों का गठबंधन विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ खड़ा है। इसे एक तरह से विचारों की जंग कहा जा सकता है। गौरतलब है कि बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार को लंबे समय से भारत का समर्थन मिला है। इसकी वजह है कि शेख हसीना की अवामी लीग सरकार देश में चरमपंथी और कट्टरपंथी तत्वों पर लगाम लगाने में काफी हद तक कामयाब रही है।

एक बात जरूर गौरतलब है कि भारत भी अपने पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा संबंधी हितों के लिए बांग्लादेश पर भरोसा करता है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में हिंसा और घुसपैठ करने वाले जिहादी संगठनों पर बांग्लादेश समय-समय पर चाबुक चलाता रहा है। भारत और बांग्लादेश के हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। एक तरफ जहां पूर्वोत्तर के राज्यों की सुरक्षा और जिहादी संगठनों पर नकेल कसने के लिए भारत को बांग्लादेश की जरूरत है, वहीं मोदी सरकार की लुक ईस्ट और एक्ट ईस्ट पॉलिसी के लिए भी बांग्लादेश बहुत जरूरी है। इन नीतियों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, डिजिटिल इंटीग्रेशन, व्यापार, निवेश और एनर्जी कोलेबोरेशन शामिल हैं। भारत ने रक्षा आयात के लिए बांग्लादेश को 50 करोड़ डॉलर का ऋण भी दिया है।

वहीं अमेरिका की पैनी नजर भी बांग्लादेश के चुनाव पर है। अमेरिका अक्सर शेख हसीना सरकार पर भ्रष्टाचार और लोकतंत्र का गला घोंटने के गंभीर आरोप लगाते रहा है। अमेरिका मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का लगातार समर्थन कर शेख हसीना सरकार को दबाता है। रिपोट्र्स के मुताबिक, ढाका में अमेरिकी दूतावास विपक्ष के लिए जमीन तलाशने में जुटा हुआ है। बांग्लादेश के अर्धसैनिक बल रैपिड एक्शन बटालियन ने कहा ?कि दिसंबर 2021 से ही अमेरिका एक तरह से शेख हसीना पर लगातार दबाव बना रहा है। इसी कड़ी में पिछले साल अमेरिका ने बांग्लादेश के आला अधिकारियों, नेताओं और न्यायपालिका से जुड़े लोगों के लिए वीजा पर प्रतिबंध लगा दिए थे। राष्ट्रपति बाइडेन ने 2021 और 2023 में डेमोक्रेसी समिट से बांग्लादेश को कथित तौर पर जानबूझकर बाहर भी रखा था।

शांतिपूर्ण, भयमुक्त माहौल बनाने सिद्धारमैया ने पुलिस को दिये निर्देश

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बेंगलुरु सिटी पुलिस को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करने और राज्य में शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल बनाने का निर्देश दिया। सीएम ने बेंगलुरु में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, बेंगलुरु में अपराध कम हो गया है। हालांकि अपराध को पूरी तरह ख़त्म नहीं किया जा सकता, लेकिन इसे कम किया जा सकता है। पुलिस को रोके जा सकने वाले अपराधों को प्राथमिकता देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि सभी स्तरों पर पुलिस अधिकारियों को समाज की भलाई के लिए ड्रग माफिया को खत्म करने के लिए उचित निर्णय लेना चाहिए और इसे लागू करना चाहिए। जो लोग अकेले रहते हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए, उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और पुलिस बीट सिस्टम को भी मजबूत किया जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि शहर में 241 होयसला वाहनों के गश्ती दल को मजबूत किया जाना चाहिए और उन्हें अधिक जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए रियल एस्टेट के मुद्दों में शामिल होना सही नहीं है। इससे लोगों का पुलिस व्यवस्था पर से भरोसा उठ जाएगा। मौजूदा सरकार आपको कभी भी गैरकानूनी काम में शामिल होने के लिए नहीं कहेगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा, हम उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे जो अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। शहर में उपद्रव को खत्म किया जाना चाहिए और किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

अब भारत 90 के दशक के पहले वाला नहीं, शक्तिशाली बन चुका है : धनखड़

– उपराष्ट्रपति ने किया एक से श्रेष्ठ के 500वें केंद्र का शुभारंभ

हमीरपुर (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हमीरपुर में एक से श्रेष्ठ के 500वें केंद्र का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति 5 हजार वर्ष से अ?धिक पुरानी है और हमारी पहचान भारतीयता की है। अब भारत 90 के दशक के पहले वाला नहीं बल्कि नया और शक्तिशाली भारत बन चुका है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा उनके संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में चलाए जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रम एक से श्रेष्ठ के 500वें केंद्र का 20 हजार से भी ज्यादा लोगों की उपस्थिति में भव्य शुभारंभ हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल उपस्थित रहे। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में आम लोगों की सरकार है। जब गरीब, किसान व आम आदमी की सरकार आती है तो उसके मन में संवेदनशीलता होती है। हम भाजपा की तरह डमरू नहीं बजाते कि डबल इंजन की सरकार है। हम तो सिर्फ यह चाहते हैं कि आमजन ने सेवा का जो मौका हमें दिया है, उस मौके को आम आदमी तक पहुंचाया जाना हमारी जिम्मेदारी है। इस दौरान बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हिमाचल दौरे पर तंज कसा कि चुनावों को देखते हुए जिस जोश के साथ भाजपा नेता हिमाचल आ रहे हैं, ऐसा जोश यदि भाजपा के नेता आपदा के समय दिखाते तो बात कुछ और होती।

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश इतनी बड़ी प्राकृतिक आपदा से गुजरा लेकिन केंद्र से कोई बड़ी मदद प्रदेश को नहीं मिली। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि 22 जनवरी भारत के इतिहास का स्वर्णिम दिन है और इस दिन हर घर दीपावली मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भगवान भारत की सांझी सांस्कृतिक विरासत हैं और हर भारतीय को 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार है। भगवान राम की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा भारत के इतिहास का स्वर्णिम दिन होगा।

कांग्रेस के बड़े नेता जाएंगे अयोध्या, 15 जनवरी को करेंगे राम मंदिर में दर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने अयोध्या जाने का ऐलान किया है। ये नेता आगामी 15 जनवरी को राम मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। जानकारी के अनुसार यूपी के सहारनपुर से शुरू हुई कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा के लखनऊ में समापन के बाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने यह निर्णय लिया। नेताओं और कार्यकर्ताओं संग बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत, पूर्व सांसद, विधायक और कई बड़े नेता मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही अयोध्या जाने का अपना प्लान भी सामने रखा। बैठक में तय हुआ कि यूपी कांग्रेस के नेता 15 जनवरी को अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। यूपी प्रभारी अविनाश पांडे के साथ प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कुछ नेता अयोध्या जाएंगे। खरमास खत्म होने पर 15 जनवरी को ये सभी नेता राम लला के दर्शन करेंगे। दरअसल 15 जनवरी को सुबह 9.15 पर खरमास समाप्त हो रहा है। इसके बाद कार्यालय से राष्ट्रीय महासचिव, प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पांडे व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस नेता अयोध्या के लिए निकलेंगे। अयोध्या पहुंचने के बाद सभी नेता सरयू नदी में स्नान करेंगे और फिर रामलला और हनुमान गढ़ी के दर्शन भी करेंगे।

गौरतलब है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। इसको लेकर राम नगरी में तैयारियां चल रही हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य आयोजक होंगे। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी समेत कई विपक्षी नेताओं को इस कार्यक्रम के लिए न्योता दिया गया है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी को भी न्योता मिला है। अब तक कांग्रेस की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि पार्टी के नेता अयोध्या में होने वाले समारोह में शामिल होंगे या नहीं। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और पूर्व सीएम लालू यादव को भी कार्यक्रम में बुलाया गया है।

दिल्ली सरकार का फरवरी में आएगा बजट, तैयारी में जुटे सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार का वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट फरवरी महीने में आने वाला है। इसके लिए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी है। बजट को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंत्रियों के साथ पहली बैठक की है। इस बैठक में उन्होंने दिल्ली की जनता की प्राथमिकताओं को लेकर मंत्रियों से विचार-विमर्श किया। सरकार का कहना है कि इस बार दिल्ली का बजट फरवरी माह के मध्य या अंत तक आ जाएगा। आगामी बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर समेत अन्य प्रमुख मुद्दों पर विशेष फोकस किए जाने की उम्मीद है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने सभी मंत्रियों को बजट की तैयारियां तेज करते हुए अपनी प्राथमिकताएं तय करने का निर्देश दिया है। अगले सप्ताह सीएम की अध्यक्षता में सभी मंत्रियों और अफसरों की बैठक होगी, जिसमें प्राथमिकताओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद बजट पर दिल्ली के सभी हितधारकों से भी सुझाव लेकर उन्हें शामिल भी किया जाएगा। दिल्ली की केजरीवाल सरकार का कहना है कि यह बजट दिल्ली की जनता को कई बड़ी सौगात देने वाला होगा।

शनिवार को हुई बैठक में पानी, सड़क, शहरी विकास और विभिन्न विकास कार्यों पर भी चर्चा हुई। इन सभी पर आगामी वित्तीय वर्ष में क्या प्राथमिकताएं होंगी, यह तय किया गया। सीएम ने संबंधित मंत्री से इन कार्यो के लिए आगामी वित्तीय वर्ष में कितने बजट की जरूरत होगी, उस पर गहन विचार किया। उन्होंने सभी मंत्रियों को एक सप्ताह के अंदर अपने-अपने विभाग से जुड़ी प्राथमिकताएं तय करने को कहा है। जिसमें वो अपनी प्राथमिकताएं तय करते समय जनता को ध्यान में रखेंगे। साथ ही, सभी विधायकों से भी बजट पर सुझाव लिए जाएंगे। इन सभी से मिले सुझावों का विश्लेषण किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी की न्याय यात्रा बन सकती है चुनौती

–सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के लिए भी हो सकती हैं मुश्किलें, यूपी में खास फोकस

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी की न्याय यात्रा चुनौती बन सकती है। गौरतलब है कि राहुल एक बार फिर भारत न्याय यात्रा निकालने जा रहे हैं। यह यात्रा करीब 11 दिन यूपी में रहेगी। जानकारों का कहना है कि उनकी यह यात्रा सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के लिए भी चुनौती बन सकती है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इसके रूट प्लान से साफ है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर से उत्तर प्रदेश की राजनीति पर फोकस कर रहे हैं। वे इसी बहाने अमेठी भी लौट रहे हैं। यात्रा के दौरान सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष का भी ध्यान रहेगा कि राहुल गांधी का उत्तर और दक्षिण की राजनीति को लेकर जनता के बीच क्या स्टैंड है। इसके अलावा, अयोध्या में बने माहौल के बीच उन्हें सनातन पर भी अपना रुख स्पष्ट करना होगा। स्टालिन की पार्टी के गठबंधन की बात को भी उन्हें सही साबित करना है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का जो रूट मैप है, उसमें राहुल गांधी सबसे ज्यादा समय यूपी में गुजारेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार यूपी में वह 11 दिन में 1,074 किलोमीटर की यात्रा तय करेंगे। इस दौरान 20 जिलों की 23 लोकसभा सीटों को छुएंगे। राहुल गांधी यूपी में चंदौली से प्रवेश करेंगे और उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी होते हुए अपने गढ़ अमेठी और रायबरेली पहुंचेंगे। भारत न्याय यात्रा जिन राज्यों से होकर गुजरेगी, वहां कांग्रेस और इंडिया के सहयोगियों से सीटों का तालमेल एक बड़ी चुनौती है। कांग्रेस और इंडिया के सहयोगी दलों में शामिल दलों के बीच सीटों का तालमेल एक बड़ा मुद्दा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी जिन सीटों पर चुनाव लड़ने की सोच रही उन्हीं 22 जिलों से राहुल गांधी की यात्रा गुजरेगी। इसी कारण कांग्रेस अपनी फोकस सीटों के रास्ते से राहुल गांधी को ले जाने का प्लान बनाया है।

इधर पूर्वांचल से लेकर अवध, रुहेलखंड से पश्चिमी यूपी और बृज क्षेत्र तक को मथने की रणनीति है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस की प्रदेश इकाई कई सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं गठबंधन से बात करने के लिए बनी समिति ने करीब दो दर्जन सीटें छांटी हैं, जिन पर वह मजबूत दावा पेश करेगी। साथ में यह भी कहा है कि भाजपा को हराने के लिए दोनों दल पूरी तरह साथ आएंगे तभी बात बनेगी। लेकिन यह साथ केवल कहने के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि सीटों में उसे भी बड़ी हिस्सेदारी देनी पड़ेगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी की मानें तो राहुल गांधी की पहले निकल चुकी भारत जोड़ो यात्रा ने पूरे देश में व्यापक असर डाला था। इस बार की भारत जोड़ो न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 11 दिन रहकर 1,074 किलोमीटर का सफर तय करेगी।

सात सुरक्षा एजेंसियों ने लगाये अयोध्या में कैंप, कमांडो करेंगे मंदिर की निगरानी

- -प्राण प्रतिष्ठा के दिन चप्पे-चप्पे पर तैनात होंगे 30,000 पु ?लिस के जवान

अयोध्या (एजेंसी)। रामलला मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान 30,000 पुलिस के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। इसके लिए अयोध्या में सात सुरक्षा एजेंसियों ने अपना डेरा जमा लिया है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने भी जिले में कैंप किया है। 15 टीमें विभिन्न इलाकों में छानबीन करने में जुटी हैं। वहीं, श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है। रामनगरी में लगभग 30,000 जवान तैनात किए जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने पीएम के आगमन से पूर्व ही कैंप किया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह-छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है।

अयोध्या में होने वाली तमाम संभावित गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है।

अयोध्या में स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई। यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला है।

एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि रामनगरी को सेक्टरों में बांटा गया है। इसके लिए लगभग 100 डिप्टी एसपी, 300 निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षी/आरक्षी की मांग की गई है। 20 कंपनी पीएसी भी तैनात रहेगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। पुलिस के रडार पर रहने वाले लोगों को इस दौरान

अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। पुलिस ने मय फोटो इनका डाटाबेस तैयार कर लिया है। इनकी गतिविधियों पर अभी से नजर रखी जा रही है। श्रीराम मंदिर की सुरक्षा को पहले से अब और तगड़ी कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र सरकार ने सेवन स्टार रैंकिंग घोषित की है, देश के ३ शहरों में सूरत भी शामिल

सूरत शहर को गार्बेज फ्री सिटी में पहली बार ७ स्टार रेटिंग मिली, राज्य का पहला और देश का तीसरा शहर बना

सूरत देश में सेवन स्टार पाने वाला तीसरा शहर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वच्छता सर्वेक्षण में गुजरात में केवल सूरत को सम्मान मिला है। सूरत शहर सात सितारा रेटिंग पाने वाला गुजरात का पहला शहर बन गया है। सूरत को कई मानदंडों के आधार पर कचरा मुक्तशहर में सात सितारा रेटिंग दी गई है। दिवाली के दौरान केंद्र सरकार की स्वच्छता टीम ने सूरत का दौरा किया था।

सूरत शहर में लंबे समय से नगर निगम की ओर से साफ-सफाई को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें सूरत को पूरे देश में स्वच्छ शहर बनाने के लिए कई प्रयास किए गए। केंद्र सरकार की ओर से सूरत शहर को सात सितारा रैंकिंग दी गई है। स्वच्छता टीम द्वारा सूरत शहर में सर्वांगीण स्वच्छता के लिए लगातार काम किया जा रहा है। मनपा की ओर से भी बड़ी मात्रा में जनजागरूकता फैलाई गई। सूरत शहर के मेयर दक्षेश मवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान में सूरत नगर निगम बड़ा योगदान दे रहा है। सूरत शहर न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में स्वच्छता में अग्रणी होने की घोषणा की गई है। इसमें इंदौर और नवी मुंबई के बाद अब सूरत शहर को गार्बेज फ्री सेवन स्टार सीटी के नाम से जाना जाएगा।

कचरा मुक्त शहर रेटिंग क्या है? कचरा मुक्त स्टार रेटिंग दिशानिर्देश कुल उत्पन्न कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता, गीले कचरे का प्रसंस्करण, सूखे कचरे का प्रसंस्करण, सी एंड डी (कन्स्ट्रक्शन एन्ड डिमोलिशन) कचरे का प्रसंस्करण/पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग, शहर का सौंदर्यीकरण, फोरलेन सड़क पर स्वीपर मशीन द्वारा सफाई, सार्वजनिक सड़क पर ग्रीन बेल्ट और उसके बाद कचरे का प्रसंस्करण, प्रोसेस रिजेक्ट कचरे को लैंडफिल पर डंप किया जाना आदि पैरामीटर शामिल हैं। इस वर्ष सूरत शहर को शहर के सौंदर्यीकरण, धूल मुक्त सड़क के लिए फोरलेन रोड पर स्वीपर मशीन से सफाई, अपशिष्ट प्रसंस्करण, शून्य अतिक्रमण जैसे मापदंडों पर ध्यान केंद्रित करके ७ स्टार रेटिंग मिली है।

सूरत शहर को लगातार तीसरे वर्ष वाटर प्लस घोषित

स्वच्छ सर्वेक्षण-२०२३ दिशानिर्देशों के अनुसार, जल+ प्रमाणपत्र के लिए सर्वे जल निकासी नेटवर्क, जल निकासी कनेक्शन, अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, शहर के अपशिष्ट जल के एसटीपी/टीटीपी संयंत्र में अपशिष्ट जल के प्रसंस्करण जैसे मानदंडों के आधार पर आयोजित किया जाता है। जिसमें सूरत शहर को लगातार तीसरे साल वॉटर+ घोषित किया गया है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिन जीआईडीसी में स्टीम हाउस का औद्योगिक दौरा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

द सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के ग्रुप चेयरमैन नवीन पटेल के नेतृत्व में ३० से अधिक सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल सचिन ने जीआईडीसी में स्टीम हाउस का औद्योगिक दौरा किया।

यह स्टीम हाउस ५० से अधिक इकाइयों की भाप की आवश्यकता को पूरा करता है

चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने स्टीम हाउस का दौरा किया

प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में उनके स्टाफ सदस्यों द्वारा स्टीम हाउस के बारे में प्रेजेंटेशन दिया गया और पूरे प्लांट का दौरा भी किया गया। प्रसंस्करण इकाइयों और रासायनिक उद्योग इकाइयों को भाप की आवश्यकता होती है, इसलिए उन्हें कारखाने में ही एक अलग बॉयलर प्लांट स्थापित करना पड़ता है, लेकिन अब स्टीम हाउस के कारण प्रसंस्करण इकाइयों और रासायनिक इकाइयों को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। एक बॉयलर प्लांट और वे उस स्थान का उपयोग

अन्य उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। यह स्टीम हाउस उद्योगपतियों को विनिर्माण और औद्योगिक प्रक्रियाओं के लिए उत्पन्न होने वाली ५० से अधिक इकाइयों की भाप की आवश्यकता को पूरा करता है।

चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने इस स्टीम हाउस से उद्योग जगत को होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत स्टीम हाउस के विशाल बुधिया ने किया। फिर चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने स्टीम हाउस यूनिट के सभी विभागों का दौरा किया और भाप उत्पादन की सभी प्रक्रियाओं का अध्ययन किया।

चूंकि कपड़ा उद्योग में

शहर के मोटा वराछा इलाकों में ९ और १०जनवरी को पानी की सप्लाई नहीं होगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के हाइड्रोलिक विभाग के संचालन के कारण ९ और १० जनवरी को वराछा जोन के मोटा वराछा के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति नहीं होगी। फिलहाल सर्दी के कारण पानी की मांग कम होने पर सूरत नगर निगम की ओर से विभिन्न जल वितरण स्टेशनों की टंकियों की सफाई चल रही है। इसके तहत वराछा मेन रोड पर सीएनजी पंप के पास वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के ओवरहेड टैंक की सफाई की जाएगी। इस पानी टंकी की सफाई के बाद ९ और १० जनवरी को जलापूर्ति बाधित रहेगी।

वराछा मुख्य मार्ग पर सीएनजी पंप के पास जल उपचार संयंत्र के ओवरहेड टैंक की सफाई की जाएगी

वराछा मुख्य मार्ग पर सी.एन.जी. पंप के पास मोटा वराछा जल उपचार संयंत्र में ओवरहेड टंकी की सफाई होगी। ९ और १० जनवरी को सुदामा चौक से गोल्डन स्कूवर से महाराजा फार्म तक के क्षेत्र, महाराजा फार्म के आसपास के क्षेत्र से

हाइड्रोलिक अनुभाग के संचालन के बाद

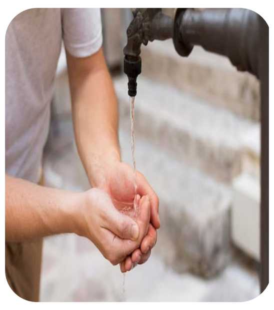

रामचौक तक के क्षेत्र और मोटा वराछा में रामचौक से सुदामा चौक तक के क्षेत्र में मरम्मत और रखरखाव का काम होगा जिससे पानी की आपूर्ति नहीं होगी। पानी का पाइप टैंक एम-२ पर लगाया जाना है। इस दौरान नगर निगम ने इस क्षेत्र के लोगों से आवश्यक जल आपूर्ति का भंडारण करने और घर पर पानी का संयमित उपयोग करने की अपील की है।

डोनेट लाइफ ने पतंग महोत्सव के माध्यम से अंगदान का संदेश दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। समय पर अंग न मिलने के कारण देश में हर साल पांच लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। गुजरात में अंगदान में अग्रणी सूरत की डोनेट लाइफ संस्था पिछले १८ वर्षों से २४ बाय ७=३६५ दिन राज्य में अंगदान के लिए जन जागरूकता पैदा करने का काम कर रही है।

डोनेट लाईफ संस्था के निलेशभाई मांडलेवाला ने जानकारी देते हुए कहा कि अपने अंग दान करके अंग विफलता के रोगियों को जीवन देने के यज्ञ में शामिल होने और उन परिवारों के प्रति आभार व्यक्तकरने के उद्देश्य से सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में च्अंग दाता परिवार एक साथज्ञ का आयोजन किया गया।

लालभाई कोन्ट्राक्टर स्टेडियम में पतंग महोत्सव अंगदाता परिवार के साथ मनाया गया

जिन्होंने अपने परिवार के ब्रेईन डेड सदस्य का अंग दान करके सैकड़ों अंग विफलता रोगियों को जीवन दिया है। जिसमें विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से अंग दान और जीवन दान का संदेश दिया गया था। नागरिकों को अंगदान संदेश वाली पतंगें भी वितरित की गईं। इस पतंग महोत्सव में १६७ नागरिकों ने अंगदान संकल्प पत्र भरकर अंगदान का संकल्प लिया।

इस पतंग उत्सव में जीएसटी के मुख्य आयुक्त पंकज सिंह, महापौर दक्षेश मवानी, विधायक अरविंदभाई राणा, पूर्व विधायक जंखनाबेन पटेल, दिशा फाउंडेशन के दिनेशभाई पटेल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नागपुर के प्रो. पूर्व सैनिक रवीन्द्र भुसारी, पुलिस उपायुक्त श्रीमती हेतल पटेल, पूर्व उपमहापौर नीरव शाह, पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष परेशभाई पटेल, चैंबर के उपाध्यक्ष विजयभाई मेवावाला, सूरत जिला क्रिकेट एसोसिएशन के मानद मंत्री हितेशभाई पटेल, चैंबर के पूर्व अध्यक्ष, विभिन्न स्कूल-शहर के डॉक्टर, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और औद्योगिक गणमान्य व्यक्ति मीडिया मित्र और कॉलेज एनसीसी और एनएसएस के छात्रों सहित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे और अंग दाता परिवारों को बधाई दी और डोनेट लाइफ संस्था को उनके काम के लिए धन्यवाद। डोनेट लाइफ के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करें- https://www.donatelife.org.in/

कलर कैलिब्रेशन मॉनिटर कपड़े पर डिजिटल प्रिंटिंग से ९९ प्रतिशत कलर रिजल्ट,सीटेक्स प्रदर्शनी का अंतिम दिन

'सीटेक्स एक्सपो-२०२४' को जबरदस्त प्रतिक्रिया, दो दिनों में १७ हजार से ज्यादा खरीदार और विजिटर्स आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिण गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र की पहल के तहत 'सीटेक्स - सूरत इंटरनेशनल टेक्सटाइल एक्सपो - २०२४' का आयोजन सरसाना में सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में किया गया है।

इस प्रदर्शनी में १०० से अधिक प्रदर्शकों द्वारा कपड़ा मशीनरी, कपड़ा सहायक और मशीनरी, कढ़ाई और प्रजनन मशीनरी और सहायक उपकरण, कपड़ा इंजीनियरिंग, तकनीकी कपड़ा संबंधित मशीनरी, स्थिति और डिजिटल प्रिंटिंग मशीनें और सहायक उपकरण प्रदर्शित किए जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों के शहरों से खरीदार प्रदर्शनी का दौरा कर रहे हैं क्योंकि देश भर में निर्मित सभी प्रकार की उन्नत कपड़ा मशीनरी प्रदर्शन पर हैं।

कल पहले दिन शनिवार को लगभग ६८०० खरीदारों और आगंतुकों ने सीटेक्स एक्सपो का दौरा किया। आज दूसरे दिन रविवार को १०३,००० खरीदारों और आगंतुकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। इस प्रकार, दो दिनों के दौरान कुल १७१२० खरीदारों और आगंतुकों ने सीटेक्स एक्सपो का दौरा किया, जिससे प्रदर्शकों और सूरत के पूरे कपड़ा उद्योग को बहुत लाभ होगा।

इन दो दिनों के दौरान देश के विभिन्न शहर जैसे मेरठ, ठाणे, भिवंडी, गुड़गांव, बोईसर, आगरा, कोटा, अजमेर, गांधीधाम, सांगली, वाराणसी, कलकत्ता, मुंबई, हैदराबाद, पानीपत, बेंगलुरु राजकोट, अहमदाबाद, वडोदरा, जेतपुर, बेलगाम, बेलगावी, दिल्ली, जोधपुर, बिजनोर, चेन्नई, सलेम, पुणे, कोल्हापुर, सोलापुर, नासिक, दादरानगर हवेली, मथुरा, खंडवा, इरोड, लुधियाना, पाली, जामनगर, आनंद, पोरबंदर, कोटा, अंबरनाथ, इच्छलकरंजी, मोरबी, औरंगाबाद , अंकलेश्वर, मालेगांव, कोडा कांडला, उदयपुर, गोंडल, कलोल, धुले, तिरुपुर, बालोतरा और झालोर के आगंतुकों ने सीटेक्स प्रदर्शनी का दौरा किया।

सीटेक्स एक्सपो में मेड इन जापान कलर कैलिब्रेशन मॉनिटर प्रदर्शित किया गया है। इस मॉनिटर की खासियत यह है कि कपड़े पर डिजिटल प्रिंटिंग में ९९ प्रतिशत कलर रिजल्ट मिलता है। अक्सर ऐसा होता है कि सामान्य मॉनिटर में जो रंग दिखता है उसका ५० फीसदी रंग कपड़े पर पाया जाता है। रोबोटिक तकनीक से बने इस मॉनिटर में जो रंग दिखता है, वह उसी रंग के कपड़े पर प्रिंट हो जाता है।